

शिक्षा की प्रगति

1974-75



शिक्षा निदेशालय, उ० प्र०, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश में शिक्षा की प्रगति

भाग 1

सामान्य शिक्षा

1974-75

शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश
इलाहाबाद

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
1--सामान्य पर्यवेक्षण	1-3
2--प्राथमिक शिक्षा	4-6
3--पूर्व माध्यमिक शिक्षा	7-8
4--उच्चतर माध्यमिक शिक्षा	9-11
5--उच्च शिक्षा	12-14
6--विविध	15-19
7--विभाग की अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियां	20-21

अध्याय 1

सामान्य पर्यवेक्षण

1--वर्ष 1974-75 पंचम पंचवर्षीय योजना का प्रथम वर्ष रहा है। इस वर्ष में यद्यपि चतुर्थ पंचवर्षीय योजना की सभी शैक्षिक स्कीमों के साथ-साथ पर्वतीय क्षेत्र में शैक्षिक विकास को विशेष बल दिया गया था किन्तु मुद्रा प्रसार के कारण उत्पन्न सामाजिक एवं आर्थिक संकट को दृष्टिगत रखते हुये शैक्षिक विकास की योजनाओं में भी परिवर्तन करना आवश्यक हो गया। सीमित साधनों के होते हुये भी न्यूनतम विकास योजनाओं द्वारा प्रदेश की शिक्षा को अत्यधिक प्रगतिशील मोड़ दिया गया है।

2--प्रथम तीन पंचवर्षीय योजनाओं के अन्तर्गत शिक्षा पर जो धन व्यय किया गया उसमें 66 प्रतिशत प्राथमिक शिक्षा पर, 15 प्रतिशत माध्यमिक शिक्षा पर तथा 9 प्रतिशत विश्वविद्यालय शिक्षा पर हुआ। बाकी 10 प्रतिशत व्यय अध्यापकों के प्रशिक्षण, राष्ट्रीय सैनिक दल और प्राच्य शिक्षा आदि के कार्यक्रमों पर हुआ। चौथी योजना में शिक्षा पर प्रस्तावित कुल व्यय का 67 प्रतिशत प्राथमिक शिक्षा पर, 17 प्रतिशत माध्यमिक शिक्षा पर तथा 10 प्रतिशत विश्वविद्यालयीय शिक्षा पर बाकी 6 प्रतिशत अन्य कार्यक्रमों के लिये निर्धारित किया गया है।

पंचम पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1974-75 में प्राथमिक शिक्षा पर 54 प्रतिशत, माध्यमिक शिक्षा पर 24 प्रतिशत, उच्च शिक्षा पर 6 प्रतिशत, प्राविधिक शिक्षा पर 3 प्रतिशत, अन्य शैक्षिक कार्यक्रमों पर 2 प्रतिशत तथा विभिन्न स्तरों पर अंतरिम सहायता एवं वेतन आयोग की संस्तुतियों के कार्यान्वयन हेतु 11 प्रतिशत व्यय करने का प्राविधान किया गया है।

3--पंचम पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1974-75 में शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर अपनाये गये शैक्षिक विकास की संक्षिप्त रूप-रेखा एवं दिग्दर्शन निम्नलिखित कार्यक्रमों से हो सकेगा।

3--(क) प्रारम्भिक स्तर--चौदह वर्ष तक की आयु वाले सभी बालकों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने के लिये संविधान में निहित निर्देशक तत्वों के अनुरूप ही प्राथमिक शिक्षा के विस्तार को सर्वाधिक महत्व दिया जा रहा है। बच्चों को मैदानी क्षेत्र में डेढ़ किलो मीटर तथा पहाड़ी क्षेत्र में एक किलोमीटर की परिधि में प्राथमिक शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस वर्ष 2,376 नये जूनियर बेसिक स्कूल खोले गये।

प्राथमिक स्तर की छात्र संख्या में हुई वृद्धि को देखते हुये 163 सीनियर बेसिक स्कूल तथा 176 क्रमोत्तर कक्षायें खोली गईं। आदिवासियों एवं जनजातियों के बच्चों के लिये दो-तीन नवीन आश्रम पद्धति के स्कूल खोलने का प्राविधान है। वय-वर्ग 11-14 के उन बच्चों को, जो या तो बियालये गये ही नहीं या जिन्होंने बीच में पढ़ाई छोड़ दी, शिक्षा सुविधा प्रदान करने हेतु अंशकालिक कक्षायें खोलने की नई योजना वर्ष 1974-75 से प्रारम्भ की गई।

3--(ख) माध्यमिक स्तर--माध्यमिक शिक्षा के विस्तार हेतु बालकों के 22 तथा बालिकाओं के 2 राजकीय हाई स्कूल खोले गये तथा 7 राजकीय हाई स्कूलों का इन्टरमीडिएट स्तर तक उच्चीकरण किया गया। इसके अतिरिक्त छात्र वृद्धि को ध्यान में रखते हुये वर्तमान उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अतिरिक्त अनुभाग खोले गये। राजकीय इण्टर कालेज, बरेली एवं रायबरेली में द्विपाली प्रथा लागू की गई।

इसके अतिरिक्त राज्य निधि से सहायता न पाने वाले 182 मान्यता प्राप्त अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को अनुदान सूची पर लाया गया। राज्य निधि से सहायता प्राप्त हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट कालेजों के शिक्षकों एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को राजकीय शिक्षकों के समान अतिरिक्त महंगाई भत्ते की दर में वृद्धि स्वीकृत की गई।

3--(ग) उच्चस्तर--उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम, 1974 में 5 विश्वविद्यालयों, बुन्देलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, अवध विश्वविद्यालय, फाँजाबाद, रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, फाँजाबाद, चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर की स्थापना का प्राविधान है।

पर्वतीय क्षेत्र में शिक्षा के विकास हेतु 4 नये राजकीय डिग्री कालेज, रुद्रपुर (नैनीताल), बागेश्वर (अल्मोड़ा), लम्बगांव (देहरी-गढ़वाल) तथा अगस्तमुनि (चमोली) में खोले गये। राजकीय उपाधि महाविद्यालय, कोटद्वार (गढ़वाल) तथा पौड़ी को स्नातकोत्तर स्तर पर उच्चिकृत किया गया। कतिपय राजकीय डिग्री कालेजों में नई-नई संकायों तथा स्नातक कक्षाओं प्रारम्भ की गईं।

विश्वविद्यालय स्तर पर प्रदेशीय विश्वविद्यालयों तथा गैर-सरकारी महाविद्यालयों के अध्यापकों के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत वेतन-क्रम 1 जनवरी, 1973 से लागू कर दिये गये हैं। सहायता प्राप्त अशासकीय डिग्री कालेजों के अध्यापकों के नियमित वेतन वितरण हेतु शासन प्रयत्नशील है।

3--(घ) छात्रवृत्ति--पंचम पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1974-75 से चम्बलघाटी के आत्म समर्पित डाकुओं एवं उनके द्वारा सताये गये परिवार के बच्चों को शैक्षिक सुविधा प्रदान करने हेतु शिक्षा के प्रत्येक स्तर के विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियाँ देने की व्यवस्था की गई है।

पूर्व माध्यमिक स्तर कक्षा 6-8 तथा माध्यमिक स्तर कक्षा 9-12 में अतिरिक्त योग्यता छात्रवृत्तियों की स्वीकृति करने के साथ-साथ हाई स्कूल तथा इण्टर योग्यता छात्रवृत्तियों की दरों में वृद्धि की गई है।

3--(ङ) अध्यापक प्रशिक्षण--वर्ष 1974-75 से राजकीय गृह विज्ञान महिला प्रशिक्षण, महाविद्यालय, इलाहाबाद में सी 0 टी 0 स्तर के साथ एल 0 टी 0 स्तर के कोर्स की व्यवस्था की गई है।

प्रत्येक जनपद में एक दीक्षा विद्यालय को विज्ञान दीक्षा विद्यालय का रूप दिया गया है। इन विद्यालयों में विज्ञान पढ़े हुये अभ्यर्थियों को ही प्रवेश दिया गया।

3--(च) शैक्षिक प्रशासन--प्रारम्भिक शिक्षा के प्रशासन के लिये गठित उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद् के सम्बन्ध में शासकीय स्तर पर विचार किया जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा के राष्ट्रीयकरण के बारे में शासन द्वारा गठित उच्चस्तरीय समिति ने अपना प्रतिवेदन तैयार कर दिया है।

विभागीय अधिकारियों की शैक्षिक प्रशासन की आधुनिक तकनीकियों से अवगत कराने हेतु प्रिन्सिपल के विशेषज्ञों तथा नेशनल स्टाफ कालेज के सहयोग से दो प्रशिक्षण सेमिनारों का भी आयोजन किया गया।

3--(छ) प्राच्य शिक्षा--प्राच्य शिक्षण के विस्तार हेतु अरबी, फारसी तथा उर्दू की पांच संस्थाओं को उच्चकोटि के कार्य करने के लिये तीन लाख रुपये के विशेष अनुदान स्वीकृत किये गये। हिन्दी की उत्कृष्ट पुस्तकों को क्रय करने हेतु चार लाख रुपये स्वीकृत किया गया। संस्कृत पाठशालाओं, अरेबिक मदरसों, दक्षिण भारतीय भाषाओं की शिक्षण संस्थाओं को अनुरक्षण एवं विकास अनुदान देने की प्रस्तावना है।

3--(ज) अन्य कार्यक्रम--वर्ष 1974-75 में तृतीय अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण पूर्ण किया गया। इसकी आख्या तैयार की जा रही है। इस सर्वेक्षण से नवीन विद्यालयों के स्थानों के चयन में बड़ी सहायता मिलेगी।

इलाहाबाद में राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी तथा आगरे में अखिल भारतीय शरदकालीन खेलकूद प्रतियोगिता भी इस वर्ष आयोजित की गई।

विद्यालयों में सामान्य शिक्षा के साथ-साथ पाठ्य सहगामी क्रिया कलाप, शारीरिक दक्षता, खेल-कूद और सैनिक शिक्षा के कार्यक्रम आयोजित करने की नई आंशिक आवासीय विद्यालय योजना वर्ष 1974-75 से राजकीय इन्टर कालेज, अल्मोड़ा तथा श्रीनगर (गढ़वाल) में लागू की गई।

पूर्व प्राथमिक (शिशु) शिक्षण तथा आंग्ल भारतीय शिक्षण संस्थाओं का अनुरक्षण एवं विकास अनुदान देने का प्राविधान भी इस वर्ष किया गया है।

उपर्युक्त कार्य क्रमों के फलस्वरूप आशा है कि उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य को शिक्षा को नई दिशा प्रदान होगी।

अध्याय 2

प्राथमिक शिक्षा

(1) पूर्व प्राथमिक (शिशु) शिक्षा

1--स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् प्रदेश में शिशु शिक्षा की जनता द्वारा बराबर मांग हो रही है और अधिकांश पूर्व प्राथमिक (नर्सरी) विद्यालय निजी संस्थाओं द्वारा चलाये जा रहे हैं। इस प्रकार की शिक्षा आयु वर्ग 3 से 6 वर्ष तक के बालक बालिकाओं को दी जाती है। इस स्तर की शिक्षा अभी नगरों तक ही सीमित है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिशु विद्यालयों की संख्या नगण्य है। चूंकि शिशु शिक्षा पद्धति महंगी होती है अतः शासन द्वारा भी प्रयोगात्मक रूप से कुछ शिक्षण संस्थायें संचालित हो रही हैं। मान्यता प्राप्त अशासकीय शिशु विद्यालयों को शासन द्वारा यथा संभव आवर्तक एवं अनावर्तक अनुदान दिया जाता है।

2--शिशुओं को पढ़ाने के लिये प्रशिक्षित अध्यापिकाओं की आवश्यकता की पूर्ति के लिये प्रदेश में दो राजकीय एवं 3 अराजकीय शिशु प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय हैं जिनमें दो वर्षीय सी 0 टी 0 (नर्सरी) पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन प्रशिक्षण महाविद्यालयों द्वारा 144 अध्यापिकायें प्रतिवर्ष प्रशिक्षित की जा रही हैं। राजकीय शिशु प्रशिक्षण महिला, महाविद्यालय, इलाहाबाद में शिशु शिक्षण में विशिष्टता प्राप्त करने की सुविधायें उपलब्ध हैं।

3--राज्य में शिशु (नर्सरी) शिक्षा में हुई प्रगति की जानकारी निम्नलिखित तालिका से हो सकेगी :--

वर्ष	विद्यालय	छात्र-संख्या	अध्यापक-संख्या	
1	2	3	4	
1950-51	6	806	22
1973-74*	266	31,129	1381

* (वर्ष 1973-74 के आंकड़े अस्थायी हैं।)

2--प्राथमिक शिक्षा

1--स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व प्रदेश में जूनियर बेसिक स्कूलों की संख्या 19,017 थी जो बढ़ कर वर्ष 1950-51 में 31,979, वर्ष 1955-56 में 31,898, वर्ष 1960-61 में 40,083, वर्ष 1965-66 में 60,243, वर्ष 1968-69 में 60,390 तथा वर्ष 1970-71 में 62,127 हो गई। चौथी योजना के अन्त में यह संख्या बढ़कर 63,414 हो गई।

2--भारतीय संविधान की 45वीं धारा के अनुसार 6-14 आयुवर्ग के बालकों को निःशुल्क एवं सार्वभौम शिक्षा की व्यवस्था हेतु पंचम पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष में बच्चों को मैदानी क्षेत्र में डेढ़ किलोमीटर तथा पहाड़ी क्षेत्र में एक किलोमीटर की परिधि में प्राथमिक शिक्षा की सुविधायें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 2,376 नये जूनियर बेसिक स्कूल खोले गये। इनमें से 2,188 जूनियर बेसिक स्कूल मैदानी क्षेत्र में तथा 188 जूनियर बेसिक स्कूल पर्वतीय क्षेत्र में खोले गये हैं। उपर्युक्त नये खोले गये जूनियर बेसिक स्कूलों में 1,337 कन्या जूनियर बेसिक स्कूल भी सम्मिलित हैं।

3—वर्ष 1974-75 में प्राथमिक स्तर पर छात्र संख्या में वृद्धि एवं स्थिरता हेतु पर्वतीय क्षेत्र में बालिकाओं एवं निर्बल वर्ग के बालकों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों के वितरण के लिये अनुदान देने का प्रस्ताव है ।

4—बहुधा जूनियर बेसिक स्कूलों के भवनों की दशा संतोषजनक नहीं है उनकी दशा सुधारने हेतु वर्ष 1974-75 में पर्वतीय क्षेत्र के 17 जूनियर बेसिक स्कूलों के भवनों की मरम्मत एवं रख-रखाव हेतु अनुदान देने का प्राविधान है ।

5—वर्ष 1972-73 में बेसिक शिक्षा परिषद् को हस्तान्तरित जूनियर बेसिक स्कूलों के क्षायों को सुचारु रूप से चलाने हेतु अधिकारी वर्ग को अध्यापक/अध्यापिकाओं के चयन, नियुक्ति, प्रोन्नति, वेतन वितरण, वार्षिक प्रबन्ध आदि के निमित्त आवश्यक निर्देश निर्गत किये जा चुके हैं । इसके अतिरिक्त प्राथमिक स्तर के शिक्षा के प्रशासन के लिये गठित बेसिक शिक्षा परिषद् के सम्बन्ध में शासकीय स्तर पर विचार किया जा रहा है ।

6—प्रारम्भिक शिक्षा के लिये राष्ट्रीयकृत पुस्तकें तैयार करने हेतु वर्ष 1974-75 में कक्षा 1-5 में चल रही निम्नलिखित पाठ्य पुस्तकें तैयार की गईं :—

- | | | | |
|---|----|----|-------------------|
| (1) हमारी दुनिया हमारा समाज भाग-1 | .. | .. | कक्षा 3 के लिये |
| (2) साइंस आग्रे तजुबें से सीखें भाग-1 उर्दू में | .. | .. | " " |
| (3) हमारी दुनिया हमारा समाज भाग-2 | .. | .. | कक्षा 4 के लिये |
| (4) साइंस आग्रे तजुबें से सीखें भाग-2 (उर्दू) | .. | .. | कक्षा 4 के लिये |
| (5) विज्ञान आग्रे करके सीखें भाग-3 | .. | .. | कक्षा 5 के लिये । |

7—मैदानी क्षेत्रों में 25 प्रति उप विद्यालय निरीक्षक तथा 23 सहायक बालिका विद्यालय निरीक्षिकाओं के पद सृजित किये गये हैं ।

8—नव-निर्मित जनपद ललितपुर के लिये एक उप बालिका विद्यालय निरीक्षिका का पद सृजित हुआ है । इसी जिले में एक विद्यालय उप निरीक्षक के पद के सृजन की भी प्रस्तावना है ।

9—प्रशासनिक दृष्टिकोण से जनपद ललितपुर के लिये जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का कार्यालय वर्ष 1974-75 में स्थापित किया गया है ।

10—बेसिक स्कूलों के उन अध्यापकों को पुरस्कृत करने के उद्देश्य से जिनका शिक्षण कार्य उच्च कोटि का है, परीक्षा फल उत्तम है और अध्यापन काल कम से कम 10 वर्ष का है, ऐसे 200 अध्यापकों को वर्ष 1974-75 में 500 रुपये प्रति अध्यापक की दर से पुरस्कार देने का प्राविधान किया गया है ।

इसके अतिरिक्त बेसिक स्कूलों के योग्य कर्मठ शिक्षकों को सम्मान देने तथा उचित प्रतिष्ठा प्रदान करने हेतु राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्रदान किया जाता है ।

11—अध्यापक प्रशिक्षण—राज्य में पुरुषों के लिये 122 तथा महिलाओं के लिये 37 राजकीय बोका विद्यालय हैं जिनमें बी०टी०सी०का प्रशिक्षण दिया जा रहा है । इससे अतिरिक्त पुरुषों के लिये 15 तथा महिलाओं के लिये 9 मान्यता प्राप्त बी०टी०सी० कक्षाएँ हैं जो अराजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के साथ संलग्न हैं । कुछ राजकीय उच्चतर माध्यमिक संस्थाओं तथा राजकीय प्रशिक्षण संस्थाओं के साथ भी बी०टी०सी० यूनिट संचालित हैं । ऐसी बी०टी०सी० यूनिट की संख्या पुरुषों के लिये 2 तथा महिलाओं के लिये 19 हैं ।

जूनियर बेसिक स्कूलों के अध्यापकों को पत्राचारद्वारा बी० टी० सी० का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये राज्य शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद में एक पत्राचार प्रणाली केन्द्र कार्यरत है, जिससे सेवारत अदीक्षित अध्यापकों को प्रशिक्षित करने में काफी सहायता मिल रही है तथा अध्यापकों को भी लाभ पहुँच रहा है ।

वर्ष 1974-75 से प्रत्येक जनपद में एक दीक्षा विद्यालय को विज्ञान दीक्षा विद्यालय का रूप दिया गया तथा इन विद्यालयों में विज्ञान पढ़े हुये अभ्यर्थियों को ही प्रवेश दिया गया ।

12--शासन ने दिनांक 1-2-74 से नगरपालिका/महापालिका क्षेत्र के जूनियर बेसिक स्कूलों में कार्य करने वाले अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं के वेतन-क्रम में निम्नवत् संशोधन किया है :—

प्रधान अध्यापक-हाई स्कूल प्रशिक्षित--र० 210-5-260-द 0र०0-6-290-द० र०0-8-330 ।

गैर हाई स्कूल प्रशिक्षित-र० 195-3-225-द० र०0-4-245-द० र०0-6-275 ।
सहायक अध्यापक-हाई स्कूल प्रशिक्षित-र० 195-275 ।

गैर हाई स्कूल प्रशिक्षित-र० 185-3-215-द० र०0-4-235 द० र०0-5-260 ।

13--उपर्युक्त कार्यक्रमों के फलरूप प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में अघातित प्रगति होगी ।

अध्याय-3

पूर्व माध्यमिक (सीनियर बेसिक) शिक्षा

1--प्रवेश में सीनियर बेसिक स्कूलों की संख्या वर्ष 1945-46 में 1,676 थी जो बढ़कर वर्ष 1950-51 में 2,854, वर्ष 1955-56 में 3,640, वर्ष 1960-61 में 4,335 वर्ष 1965-66 में 6,154, वर्ष 1968-69 में 7,698, वर्ष 1970-71 में 8,787 और चतुर्थ योजना के अन्तिम वर्ष 1973-74 के अन्त में 9,776 हो गई। इन विद्यालयों के अतिरिक्त प्रदेश के हाई स्कूल एवं इंटर कालेजों के साथ पूर्व माध्यमिक स्तर की शिक्षा प्रदान की जा रही है।

2--चौदह वर्ष तक की आयु वाले सभी बालकों/बालिकाओं को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने के संविधान में निहित निर्देशक तत्वों के अनुसार प्राथमिक स्तर पर छात्र संख्या में हुई वृद्धि को ध्यान में रखते हुए पांचवी योजना के प्रथम वर्ष 1974-75 में कुल 163 नये सीनियर बेसिक स्कूलों की स्थापना की गई। इनमें से 29 सीनियर बेसिक स्कूल पर्वतीय क्षेत्रों में खोले गये हैं।

3--बालिकाओं की शिक्षा हेतु इस स्तर पर जहां विद्यालय खोलना संभव नहीं है वहां खुले हुए जूनियर बेसिक स्कूलों में क्रमोत्तर कक्षाएँ खोलकर सीनियर बेसिक स्तर की शिक्षा की व्यवस्था की जा रही है। पांचवी योजना के प्रथम वर्ष 1974-75 में कुल 176 क्रमोत्तर कक्षाएँ खोली गयीं। इनमें 18 क्रमोत्तर कक्षाएँ पर्वतीय क्षेत्रों की सम्मिलित हैं।

4--प्रदेश में वय-वर्ग 11-14 के उन बच्चों को जो या तो विद्यालय गये ही नहीं या जिन्होंने बीच में पढ़ाई छोड़ दी, शिक्षा की सुविधा प्रदान करने हेतु अंशकालिक कक्षाएँ खोलने की नई योजना वर्ष 1974-75 से प्रारम्भ करने हेतु व्यवस्था की जा रही है।

5--आदिवासियों एवं जन-जातियों के बच्चों के लिये पंचम पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1974-75 में दो नवीन आभ्रम पद्धति के स्कूल खोलने का प्राविधान है।

6--पूर्व माध्यमिक शिक्षा के विकास हेतु मान्यता प्राप्त अशासकीय वित्तीय सहायता न पाने वाले कुल 118 (10 पर्वतीय क्षेत्र के तथा 108 मैदानी क्षेत्र के) सीनियर बेसिक स्कूलों को वर्ष 1974-75 में अनुरक्षण अनुदान देने का प्राविधान है।

7--अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों के अशासकीय मान्यता प्राप्त सीनियर बेसिक विद्यालयों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की नई योजना के अन्तर्गत वर्ष 1974-75 में पर्वतीय क्षेत्र के 2 विद्यालयों तथा मैदानी क्षेत्र के 7 विद्यालयों को आर्थिक सहायता का प्रस्ताव है।

8--पांचवी योजना के प्रथम वर्ष 1974-75 में पर्वतीय जिलों के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र के 7 तथा नगर क्षेत्र के 2 वर्तमान परिषदीय सीनियर बेसिक स्कूलों के रख-रखाव तथा मरम्मत हेतु अनुदान दिया जायगा।

9--प्रारम्भिक विद्यालयों के अध्यापक/अध्यापिकाओं को अपनी शैक्षिक योग्यता बढ़ाने हेतु प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु वर्ष 1974-75 में पुरस्कार स्वरूप अनुदान स्वीकृत किया जायेगा।

10--वर्ष 1974-75 से अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन-जातियों के पूर्व माध्यमिक कक्षाओं तक के बालकों/बालिकाओं को फीस हेतु मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों को क्षतिपूर्ति अनुदान देने की नई योजना प्रारम्भ की जायेगी।

11—पाठ्य पुस्तकों के राष्ट्रीयकरण की योजना के फलस्वरूप निम्नलिखित पाठ्य पुस्तकें तैयार की गईं जो वर्तमान सत्र 1974-75 में प्रचलित हो रही हैं :—

(1) हमारा भूमण्डल, भाग—1	कक्षा 6 के लिए
(2) हमारा इतिहास और नागरिक जीवन, भाग—1	कक्षा 6 के लिए
(3) हमारी जवान, भाग—1	कक्षा 6 के लिए
(4) प्रारम्भिक विज्ञान, भाग—2	कक्षा 7 के लिए
(5) बेसिक इंगलिश रीडर, बुक—2	कक्षा 7 के लिए
(6) संस्कृत सुबोध, भाग—3	कक्षा 8 के लिए

12—अध्यापक प्रशिक्षण—पूर्व माध्यमिक स्तर पर अध्यापक/अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित करने के लिये प्रदेश में पुरुषों के 5 (4 राजकीय तथा 1 अराजकीय) जूनियर बेसिक ट्रेनिंग कालेज तथा महिलाओं के लिये 4 (3 राजकीय तथा 1 अराजकीय) सी0टी0ट्रेनिंग कालेज हैं। जिनमें सी0टी0 दो वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त राजकीय गृह विज्ञान महिला महाविद्यालय में सी0टी0 (गृह विज्ञान) की अध्यापिकायें प्रशिक्षित की जाती हैं।

13—प्रारम्भिक स्तर पर शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने हेतु राज्य शिक्षा संस्थान, इलाहाबाद सतत रूप से अपनी प्रगति में प्रयत्नशील है।

14—शासन ने नगरपालिका/महापालिका क्षेत्र के सीनियर बेसिक स्कूलों में कार्य करने वाले अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं के बेतनक्रम में 1-2-74 से निम्नवत् पुनरीक्षित कर दिया है:—

(1) प्रधान अध्यापक	₹0 240-6-300-₹0	₹0-8-340-₹0
	₹0-10-390 ।	
(2) सहायक अध्यापक		
(क) हाई स्कूल प्रशिक्षित	₹0 210-5-260-₹0	₹0-6-290-₹0
	₹0-8-330 ।	
(ख) गैर-हाई स्कूल प्रशिक्षित	₹0 195-3-225-₹0	₹0-4-245-₹0
	₹0-6-275 ।	

15—शिक्षा पुनर्व्यवस्था योजना तथा पुनर्व्यवस्थित विद्यालयों के विकास के निमित्त कुल 1,30,22,000 ₹0 का प्राविधान किया गया था। प्रदेश के पुनर्व्यवस्थित विद्यालयों में कृषि एवं शिल्प विषयों की व्यवस्था की गई थी। वर्ष 1974-75 में कुल 2,563 प्रसार अध्यापक तथा 384 शिल्प शिक्षक इस योजना के अन्तर्गत कार्यरत हैं।

उपर्युक्त कार्यक्रमों के फलस्वरूप सीनियर बेसिक शिक्षा प्रगति पथ पर अग्रसर होगी।

अध्याय-4

माध्यमिक शिक्षा

1--प्रवेश में माध्यमिक शिक्षा के प्रसार में जनता का सहयोग बड़ा ही सराहनीय रहा है। स्वतंत्रता प्राप्त के पूर्व माध्यमिक विद्यालयों की संख्या वर्ष 1945-46 में 356 बालकों की तथा 86 बालिकाओं की थी। इनकी संख्या वर्ष 1972-73 के अन्त में बढ़कर 3,220 बालकों की तथा 625 बालिकाओं की हो गई। माध्यमिक शिक्षा की प्रगति, अंत में प्रकाशित सारणी 5, 7, 8, व 9 से स्पष्ट हो सकेगी।

2--राज्य में अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने की दृष्टि से मान्यता प्राप्त विद्यालयों को अनुदान देने की नीति शासन द्वारा अपनाई गई है। पंचम पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1974-75 में 182 मान्यता प्राप्त गैर-सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को अनुदान सूची पर लाया गया।

3--मैदानी क्षेत्र के 66 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 19 सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को अतिरिक्त छात्र संख्या तथा सेनेटरी सुविधा हेतु वर्ष 1974-75 में अनुदान देने का प्राविधान किया गया है।

4--सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुस्तकालयों के सम्बर्द्धन हेतु वर्ष 1974-75 में मैदानी क्षेत्र के 61 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 4 विद्यालयों को अनुदान देने का प्राविधान किया गया है।

5--वर्ष 1974-75 में पर्वतीय क्षेत्र के अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को आवश्यकानुसार तदर्थ अनुदान स्वीकृत करने का प्राविधान है।

6--वर्ष 1974-75 में 102 अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को दक्षता अनुदान देने का प्राविधान किया गया है।

7--विज्ञान शिक्षा की बढ़ती हुई मांग की पूर्ति के लिये वर्ष 1974-75 में मैदानी क्षेत्र के 54 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 8 अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को विज्ञान प्रयोगशाला एवं विज्ञान उपकरण हेतु अनुदान स्वीकृत करने का प्राविधान किया गया है।

8--सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों को अपनी योग्यता बढ़ाने हेतु प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु 44,000 रु० का प्राविधान किया गया है।

9--जहां इस स्तर पर शिक्षा की व्यवस्था नहीं हो पाती वहां शासकीय विद्यालय खोलकर तथा राजकीय जूनियर हाई स्कूल को उच्चीकृत करके इस स्तर की शिक्षा का प्रबन्ध किया जाता है। वर्ष 1974-75 में बालकों के 22 तथा बालिकाओं के 2 राजकीय हाईस्कूल खोले गये। बालकों के 4 तथा बालिकाओं के 3 राजकीय हाईस्कूलों का इन्टरमीडिएट स्तर पर उच्चीकरण किया गया।

अनेक संस्थाओं में अतिरिक्त अनुभाग खोले गये तथा नवीन विषयों का समावेश किया गया।

10--राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों के प्रवेश का अत्यधिक दबाव होने के कारण अनेक संस्थाओं में अतिरिक्त अनुभाग खोले गये तथा नवीन विषयों का समावेश करने के साथ साथ वर्ष 1974-75 में राजकीय इन्टर कालेज, बरेली एवं रायबरेली में द्विपाली प्रथा लागू की गई।

11--विज्ञान शिक्षा की मांग की पूर्ति हेतु वर्ष 1974-75 में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान वर्ग की शिक्षा का प्रबन्ध किया गया।

12—जुलाई, 1974 से गणित, भौतिक, रसायन तथा जीव विज्ञान के नवीन पाठ्यक्रम हाई स्कूल एवं इन्टरमीडियेट स्तर पर लागू किये गये। हाई स्कूल स्तर पर गणित के निम्नलिखित दो पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं :—

अ—सामान्य गणित—सामान्य विद्यार्थियों के लिये।

ब—गणित—विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के लिये।

पाठ्य पुस्तकों के सुधार की दृष्टि से माध्यमिक स्तर की पाठ्य पुस्तकों के राष्ट्रीयकरण की योजना स्वीकृत की गई है। प्रारम्भ में कक्षा 9-10 व 11-12 की हिन्दी की पुस्तकों का राष्ट्रीयकरण किया जायेगा।

पाठ्यक्रमों में शोध करने की दृष्टि से माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ० प्र०, इलाहाबाद में एक पाठ्यक्रम शोध एवं मूल्यांकन इकाई की स्थापना की गई है।

13—हाई स्कूल परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का इस वर्ष केन्द्रीय मूल्यांकन कराया गया। गृह परीक्षाओं में नियमित परीक्षाओं पर बल देते हुये मूल्यांकन के नवीन प्रयोग सभी राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में प्रयोगिक रूप से किये गये।

14—माध्यमिक शिक्षा के राष्ट्रीयकरण के बारे में शासन द्वारा गठित उच्चस्तरीय समिति ने अपना प्रतिवेदन तैयार कर दिया है।

15—छात्रवृत्ति वर्ष 1974-75 से चम्बल घाटी के आत्म-समर्पणकारी डाकुओं एवं उनके द्वारा सताये गये परिवार के बच्चों को शैक्षिक सुविधा प्रदान करने हेतु सभी स्तर के छात्रों को छात्र-वृत्तियाँ देने की व्यवस्था की गई है।

कक्षा 6-8 एवं 9-12 में अतिरिक्त योग्यता छात्रवृत्तियों को स्वीकृत करने के साथ साथ हाई स्कूल तथा इन्टर योग्यता छात्रवृत्तियों की दरों में वृद्धि की गई है।

16—सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों तथा शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के समकक्षीय शिक्षकों को तथा शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को अनुमन्य वेतनमानों के समान पुनरीक्षित वेतनमान पहली नवम्बर, 1973 से देने की व्यवस्था की गई है।

17—सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में गृह विज्ञान, संगीत, शिल्प कला, व्यायाम तथा आशुलिपि टंकण के शिक्षकों को शासन ने 1 नवम्बर, 1973 से वही वेतनमान स्वीकृत कर दिये हैं जो राजकीय विद्यालयों के समकक्षीय शिक्षकों के लिये स्वीकृत हैं। इस प्रकार इनके वेतनमान की विसंगति दूर कर दी गई है। इसके अतिरिक्त इन विद्यालयों के शिक्षकों तथा शिक्षणोत्तर कर्मचारियों के लाभार्थ सामूहिक जीवन बीमा योजना भी 1 मार्च, 1974 से लागू कर दी गई है।

18—प्रशिक्षण स्तर पर प्रशिक्षित अध्यापक सुलभ करने के लिये राज्य में कुल 12 (4 राजकीय तथा 8 अराजकीय) एल० टी० प्रशिक्षण कालेज हैं। राजकीय प्रशिक्षण कालेजों में से दो (राजकीय सी० पी० आई० तथा राजकीय महिला प्रशिक्षण महाविद्यालय) इलाहाबाद में है। लखनऊ में राजकीय रचनात्मक प्रशिक्षण महाविद्यालय तथा वाराणसी में राजकीय बेसिक ट्रेनिंग कालेज है। इलाहाबाद स्थित कालेजों में से प्रत्येक में 100-100 स्थान हैं और लखनऊ तथा वाराणसी स्थित प्रशिक्षण कालेजों में क्रमशः 130 तथा 120 स्थान सुलभ हैं।

अजीमगढ़, इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ और गोरखपुर के विश्वविद्यालयों में अपने शिक्षा विभाग हैं। आगरा, मेरठ, कानपुर विश्वविद्यालयों से सम्बद्ध कतिपय छिपी कालेजों में भी अध्यापकों के प्रशिक्षण की सुविधाएँ विद्यमान हैं।

18—(1) पांचवीं योजना के प्रथम वर्ष 1974-75 में राज्य गृह विज्ञान महिला प्रशिक्षण महाविद्यालय, इलाहाबाद में सी० टी० (गृह विज्ञान) स्तर के साथ 8.3 एल० टी० (गृह विज्ञान) स्तर के कोर्स की व्यवस्था की गई है।

(2) माध्यमिक स्तर पर गणित एवं विज्ञान के 5,000 इन्टर स्तरीय अध्यापकों को नवीन शिक्षण विधि से अवगत कराने हेतु प्रशिक्षण दिया गया। एन० सी० ई० आर० टी० के सहयोग से इलाहाबाद में आठ सप्ताह इन्स्टीट्यूट की भी व्यवस्था की गई। जिनमें लगभग 350 गणित तथा विज्ञान के चुने गये अध्यापकों ने नवीन विधि के अनुरूप प्रत्येक विषय के 2,000 प्रश्नों का प्रश्न-पत्र बैंक तैयार किया।

19—उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के उन अध्यापकों को, जिनका शिक्षण कार्य उच्चकोटि का है, परीक्षाफल उत्तम है एवं अध्यापन काल कम से कम 10 वर्ष है, दक्षता पुरस्कार प्रदान करने की योजना अन्तर्गत वर्ष 1974-75 में 53 अध्यापकों को दक्षता पुरस्कार देने हेतु 40,000 रुपये का प्राविधान किया गया है।

अध्याय-5

उच्च शिक्षा

1—राज्य में इस समय 14 विश्वविद्यालय हैं जबकि स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व 5 ही विश्वविद्यालय थे। चौदह विश्वविद्यालयों में रुड़की (सहारनपुर) स्थित इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय, पंतनगर (नैनीताल) स्थित कृषि विश्वविद्यालय तथा वाराणसी स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय एवं काशी विद्यापीठ शामिल हैं। शेष दस विश्वविद्यालय, लखनऊ, इलाहाबाद, आगरा, वाराणसी, अलीगढ़, गोरखपुर, कानपुर, मेरठ, नैनीताल एवं श्रीनगर (गढ़वाल) में हैं। इसके अतिरिक्त गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय सहारनपुर को विश्वविद्यालय जैसी संस्था का स्तर प्रदान किया जा चुका है।

2—उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम 1974 में निम्नलिखित 5 विश्वविद्यालयों की स्थापना का प्राविधान किया गया है। इनमें से प्रथम तीन विश्वविद्यालयों में विशेष कार्यधिकारी कार्यरत हैं।

- (1) बुन्देलखंड विश्वविद्यालय, झांसी।
- (2) अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।
- (3) सहूलखंड विश्वविद्यालय, बरेली।
- (4) नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, फैजाबाद।
- (5) चन्द्रशेखर भाजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर।

3—प्रदेश में डिग्री कालेजों की संख्या 1945-46 में 12 थी जो अब बढ़ कर 353 हो गई है। इनमें से 22 राजकीय डिग्री कालेजों को छोड़ कर शेष डिग्री कालेजों का प्रबंध निजी (प्राइवेट) संस्थाओं द्वारा किया जाता है। शासन प्राइवेट डिग्री कालेजों को आचर्तक तथा अनाचर्तक अनुदान देकर इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करती है।

4—राज्य के विश्वविद्यालयों एवं गैर सरकारी महाविद्यालयों को विकास अनुदान स्वीकृत किया जाता है। वर्ष 1974-75 में विश्वविद्यालयों एवं डिग्री कालेजों को विकास अनुदान देने का प्राविधान किया गया है।

5—गैर सरकारी विश्वविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा अधीक्षकों की व्यवस्था हेतु इस वर्ष अनुदान स्वीकार करने का प्राविधान किया गया है।

6—पंचम पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1974-75 में उच्च शिक्षा के विकास हेतु पर्वतीय क्षेत्रों में 4 राजकीय डिग्री कालेज खोले गये जिनका विवरण निम्नवत् है।

खोले गये कालेजों का स्थान	विषय	सम्बद्ध विश्वविद्यालय
(1) राजकीय डिग्री कालेज, रुद्रपुर (नैनीताल)।	हिन्दी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, संस्कृत, समाजशास्त्र, भूगोल, तथा सांख्यिकी।	कुमायू विश्वविद्यालय
(2) राजकीय डिग्री कालेज, बागेश्वर (अल्मोड़ा)।	हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, भूगोल, तथा अर्थशास्त्र।	" "
(3) राजकीय डिग्री कालेज, लम्बगांव, (दिल्ली गढ़वाल)।	तबेय	गढ़वाल विश्वविद्यालय
(4) राजकीय डिग्री कालेज, अणस्तनुनि (बनौली)।	हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, अर्थशास्त्र, तथा राजनीति शास्त्र	" "

7—वर्ष 1974-75 में राजकीय डिग्री कालेज, कोटद्वार (गढ़वाल) में कला एवं विज्ञान संकाय में तथा राजकीय डिग्री कालेज, पौड़ी में कला संकाय में स्नातकोत्तर कक्षाएँ खोली गईं। इस के अतिरिक्त निम्नलिखित स्नातकोत्तर महाविद्यालयों में उनके सम्मुख दिये हुए विषयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाएँ संचालित करने की व्यवस्था की गई है:—

महाविद्यालय का नाम	संकाय	स्नातक स्तर पर विषय	स्नातकोत्तर स्तर पर विषय
(1) राजकीय महाविद्यालय, नैनीताल।	विज्ञान	भूगर्भशास्त्र	..
(2) राजकीय महाविद्यालय।	अल्मोड़ा, विज्ञान	..	वनस्पति विज्ञान, प्राणी-विज्ञान
..	कला	ड्राइंग पेन्टिंग	..
(3) राजकीय महाविद्यालय।	पिथौरागढ़ कला	..	मनोविज्ञान तथा समाज-शास्त्र
..	..	विज्ञान	..
..	..	वाणिज्य	बी० काम०
(4) राजकीय महाविद्यालय।	श्रीनगर, कला	दर्शनशास्त्र, भूगोल, समाजशास्त्र, सेक्रेटेरिएट प्रैक्टिस एवं एडमिनिस्ट्रेशन।	इतिहास, अर्थशास्त्र अंग्रेजी तथा संस्कृत।
(4) राजकीय महाविद्यालय।	श्रीनगर, विज्ञान	भूगर्भशास्त्र, सांख्यिकी	..
..	..	वाणिज्य	बी० काम०
(5) राजकीय महाविद्यालय	रामपुर, विज्ञान	..	वनस्पति विज्ञान, प्राणी शास्त्र।
..	..	वाणिज्य	एम० काम०
..	..	शिक्षा	बी० एड०

8—इस वर्ष राजकीय महाविद्यालय, उत्तरकाशी तथा राजकीय महाविद्यालय, काशीपुर (नैनीताल) में वाणिज्य संकाय में स्नातक स्तर पर बी० काम० कक्षाएँ संचालित करने का प्राविधान किया गया है।

9—पब्लिक लाइब्रेरी, इलाहाबाद के प्रान्तीयकरण का प्रस्ताव शासन के विचाराधीन है।

10—समाजशास्त्र अनुसंधान केन्द्र की इलाहाबाद में स्थापना इसी वर्ष करने के लिये प्रस्ताव शासन के विचाराधीन है।

11—इलाहाबाद गणित समिति के विकास एवं इसके सुचारु रूप से कार्य संचालन हेतु इस वर्ष अनुदान देने का प्राविधान किया गया है।

12—विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की कार्यप्रणाली में सुधार लाने एवं उच्च शिक्षा में सुधार हेतु उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय (पुनः अधिनियम तथा संशोधन) अधिनियम, 1974 बनाया गया। इस अधिनियम द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 तथा उत्तर प्रदेश श्रृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 1958 में व्याप्त कतिपय दोषों को दूर करने का प्रयत्न किया गया है।

13—इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयों एवं डिग्री कालेजों के छात्रों के लिये सुविधायें, छात्र-वृत्तियां, शोध कार्यों की सुविधा तथा ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित करने का प्राविधान है।

14—विश्वविद्यालयों तथा सम्बद्ध अशासकीय कालेजों के शिक्षकों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत वेतनमानों को 1-1-73 से लागू कर दिया, गया है। अशासकीय डिग्री कालेजों के शिक्षकों को नियमित वेतन वितरण की व्यवस्था शासन के विचाराधीन है।

15—उच्च शिक्षा में हुई प्रगति की जानकारी अंत में प्रकाशित सारिणी 6, 7, 8 व 9 से हो सकेगी।

अध्याय-6

विविध

1—शारीरिक शिक्षा—प्रदेश के विद्यालयों में सामान्य शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक शिक्षा पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। शारीरिक शिक्षा के लिए प्रशिक्षित अध्यापक सुलभ करने हेतु इस समय 2 राजकीय (रामपुर में पुरुषों के लिए तथा इलाहाबाद में महिलाओं के लिए) और 2 अराजकीय [समोघपुर (जौनपुर) एवं लखनऊ में] शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय हैं जिनमें डी० पी० एड० एवं सी० पी० एड० स्तर का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

शारीरिक दक्षता खेलकूद और सैनिक शिक्षा के कार्यक्रम आयोजित करने की नई आंशिक आवासीय योजना वर्ष 1974-75 से राजकीय इंटर कालेज, अल्मोड़ा तथा श्रीनगर (गढ़वाल) में लागू की गई।

मंडलीय एवं प्रदेशीय स्तर पर खेलकूद प्रतियोगितायें आयोजित की गईं। इस वर्ष आगरा में अखिल भारतीय शरदकालीन खेलकूद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

2—सामाजिक शिक्षा—(क)—प्रदेश में उन्मुक्त स्वाध्याय की सुविधायें सुलभ करने एवं सार्वजनिक पुस्तकालय सेवा के उन्नयन एवं प्रसार की दृष्टि से केंद्रीय राज्य पुस्तकालय, इलाहाबाद तथा 10 जिला पुस्तकालय, आगरा, अल्मोड़ा, कानपुर, झांसी, गोरखपुर, वाराणसी, मथुरा, मेरठ, बरेली तथा देहरी में कार्यशील हैं। पंचम पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1974-75 में प्रदेश के उत्कृष्ट सार्वजनिक पुस्तकालयों को 2.50 लाख रुपये आवर्तक, अनावर्तक तथा भवन अनुदान के रूप में उपलब्ध कराया जायेगा।

(ख) साक्षरता बनाये रखने एवं नये ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शिक्षा प्रसार विभाग कार्यरत है। इसके अन्तर्गत प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में 1,400 राजकीय शिक्षा प्रसार पुस्तकालय तथा 3,600 ग्रामीण वाचनालय चलाये जा रहे हैं। सामाजिक शिक्षा के लिये चार सचल दल कार्यरत हैं तथा नवज्योति नामक मासिक पत्रिका निःशुल्क ग्रामीण पुस्तकालयों को भेजी जाती है। इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष नवसाक्षरोपयोगी साहित्य के अन्तर्गत 4 पुस्तकें प्रकाशित की जाती हैं। शिक्षा प्रसार विभाग के अन्तर्गत एक चलचित्र निर्माण केंद्र, चल चित्रालय, श्रव्य-दृश्य प्रशिक्षण केंद्र भी है। राज्य के विभिन्न भागों में विभाग के प्रचार वाहनों द्वारा अब तक 140 चल-चित्रों का प्रदर्शन किया गया जिससे 1,64,670 व्यक्ति लाभान्वित हुए।

(ग) अनौपचारिक शिक्षा की योजना के लिए तीन योजनायें—(1) किसान साक्षरता केंद्र, (2) प्रौढ़ साक्षरता केंद्र (आयु वर्ग 15-25) तथा (3) अंशकालिक पाठशालायें (आयुवर्ग 11-14) एक जनपद में अलग-अलग स्थानों पर संचालित की जायगी ताकि प्रभावी ढंग से लोगों को साक्षर बनाया जा सके।

भारत सरकार की किसान साक्षरता योजना प्रदेश के 11 जनपदों, लखनऊ, आगरा, राय-बरेली, फैजाबाद, गाजीपुर, सहारनपुर, नैनीताल, आजमगढ़, कानपुर, इटावा तथा प्रतापगढ़ में चल रही है।

राज्य किसान साक्षरता योजना प्रदेश के 12 जनपदों—गोरखपुर, देवरिया, बस्ती, बांदा, मुरादाबाद, वाराणसी, बलिया, जौनपुर, हमीरपुर, जालौन, झांसी तथा बहराइच में चौथी योजना काल में चलाकर बन्द कर दी गई थी, अब इस योजना को पांचवीं योजनाओं में प्रौढ़ साक्षरता केंद्रों की योजना में समायोजित करने का प्रस्ताव है।

इस प्रकार 60 किसान साक्षरता केंद्र, 25 प्रौढ़ शिक्षा केंद्र तथा 40 अंशकालिक पाठशालाओं के केंद्र खोले जायेंगे।

3—आंग्ल भारतीय शिक्षा—प्रदेश में इस समय 62 आंग्ल भारतीय शिक्षण संस्थाएँ हैं इनमें एक शिक्षक प्रशिक्षण संस्था भी सम्मिलित है। इन संस्थाओं में प्रत्येक शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। आंग्ल भारतीय शिक्षा के पाठ्यक्रम में हिन्दी, संस्कृत तथा भारतीय इतिहास को वैकल्पिक विषय के रूप में स्थान दिया गया है। आंग्ल भारतीय विद्यालयों में कुछ विद्यालयों की परीक्षा कौंसिल फार इंडियन स्कूल सर्टीफिकेट इन्वैजामिनेशन, नई दिल्ली द्वारा संचालित होती है। कुछ विद्यालयों को माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा मान्यता प्रदान की गई है। जनपद नैनीताल के जिला विद्यालय निरीक्षक इन विद्यालयों के भी निरीक्षण का कार्य सम्पादित करते हैं।

4—संस्कृत शिक्षा—संस्कृत, भारत की गौरवमयी भाषा है। इसके विकास एवं उन्नयन हेतु शासन बराबर प्रयत्नशील है। चौथी योजना के अन्त में वाराणसी स्थित संस्कृत विश्व-विद्यालय के साथ-साथ प्रदेश में 925 स्वीकृत संस्कृत पाठशालायें थीं। संस्कृत शिक्षा के विस्तार हेतु वर्ष 1974-75 में भी 16 संस्कृत पाठशालायें को विकास अनुदान तथा 50 संस्कृत विद्यालयों को अनुरक्षण अनुदान देने का प्राविधान है।

आवृत्ति
संस्कृत के ऐसे विद्वानों को जो अपने ही विषय पर कुछ छात्रों को पढ़ाते हैं अथवा अनुसंधान कार्य में योग देते हैं, आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। वर्ष 1973-74 में 81 विद्वानों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

5—अरबी, फारसी शिक्षा—प्रदेश में राज्य से सहायता प्राप्त अरबी, फारसी मदरसों की संख्या 1973-74 के अन्त में 125 थी। इसके अतिरिक्त दो और मदरसे एक राजकीय इंटर कालेज, मिर्जापुर का ओरियन्टल सेक्शन तथा दूसरा राजकीय ओरियन्टल कालेज, रामपुर में है। पांचवीं योजना के प्रथम वर्ष 1974-75 में प्रदेश की 5 अरबी, फारसी तथा उर्दू की संस्थाओं को जिनका कार्य उच्च कोटि का है, 3 लाख रुपये के विशेष अनुदान स्वीकृत किये गये हैं। इसके अतिरिक्त वर्ष 1974-75 में अरबिक, फारसी मदरसों को आवर्तक एवं अनावर्तक अनुदान स्वीकृत करने के प्राविधान है।

निरीक्षक अरबिक मदरसाज, अरबी फारसी परीक्षाओं के रजिस्ट्रार होने के साथ-साथ उर्दू माध्यम स्कूलों के निरीक्षक भी हैं।

6—दक्षिण भारतीय भाषाओं की शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की शिक्षा—भावात्मक एवं राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से दक्षिण भारतीय भाषाओं की शिक्षण की योजनांतर्गत वर्ष 1974-75 में अयोजनेतर बजट में, 2,30,000 रुपये व्यय करने का प्राविधान है। मोतीलाल भेमोरियल सोसाइटी, लखनऊ द्वारा संचालित दक्षिण भारतीय भाषाओं (तामिल तथा तेलगू) का उच्च अध्ययन चल रहा है। केन्द्रीय तथा प्रदेश शासन द्वारा प्रदान की गई आर्थिक सहायता से कन्नड़ तथा मलयालम की कक्षाएँ जनवरी, 1970 से चल रही हैं।

केन्द्र द्वारा संचालित क्षेत्रीय भाषाओं की शिक्षण की नई योजना के अन्तर्गत क्षेत्रीय भाषाओं में प्रशिक्षित अध्यापकों को 20 रुपया प्रति अध्यापक प्रति माह विशेष वेतन देने का प्रस्ताव है। यह वेतन उन प्रशिक्षित अध्यापकों को देय है जो संबंधित भाषा को कम से कम 10 छात्रों को पढ़ाते हैं। वर्ष 1974-75 में इस योजना के लिये 10,000 रुपया का प्राविधान है।

7—कृषि शिक्षा—कृषि शिक्षा की उन्नति के लिये मण्डलीय कृषि पर्यवेक्षकों की विचार गोष्ठी शिक्षा निदेशालय, इलाहाबाद में 6, 7 जुलाई, 1974 को आयोजित की गई। जिनमें निम्नलिखित कार्यों को मंडल के जनपदों में सतर्कता से सम्पादित करने का निर्णय लिया गया—(1) प्रत्येक विद्यालय के लिये उसमें साधन और सुविधा को ध्यान में रखकर एक कृषि परियोजना निर्धारित कर

ही जाय। (2) जिन विद्यालयों में साधन उपलब्ध नहीं हैं उनमें विद्यालय प्रांगण की सजावट, कृषि फार्म की स्थायी उन्नति, कृषि कक्ष की सजावट, कृषि ज्ञान के प्रसार का कार्य आदि में से कोई एक दो कार्य का चयन कर लिया जाय और उसी को परियोजना का स्वरूप प्रदान कर दिया जाय। (3) जनपद के अन्य विभागीय अधिकारियों की योजनाओं का लक्ष्य विद्यालय तथा निकटवर्ती क्षेत्र के लिये उठाने का प्रयास किया जाय।

उपर्युक्त कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिये मंडलीय/जनपदीय अधिकारियों एवं कृषि पर्यवेक्षकों को आवश्यक निर्देश भेजे जा चुके हैं।

(8) मनोविज्ञान की शिक्षा—इलाहाबाद में स्थापित मनोविज्ञानशाला द्वारा मनोविज्ञान की शैक्षिक व्यवसायिक क्षेत्र में वैयक्तिक तथा सामूहिक निर्देशन के साथ-साथ प्रशिक्षण, प्रवेश वचन शोध, प्रकाशन तथा व्यवसायिक सूचनाओं का प्रसारण कार्य किया जाता है।

करियर मास्टर प्रथम बंच का प्रशिक्षण 16, अगस्त, 1973 से प्रारम्भ किया गया तथा दिसम्बर, 73 से फरवरी, 74 तक द्वितीय बंच चला। प्रदेश के विभिन्न राजकीय एवं मान्यता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 18 सहायक अध्यापकों तथा 5 सहायक अध्यापिकाओं ने प्रथम बंच में तथा 3 महिलाओं और 16 पुरुषों ने द्वितीय बंच में प्रशिक्षण प्राप्त किये।

डिप्लोमा इनगाइडेंस साइकलोजी के पुनः प्रारम्भ किये जाने की दिशा में आवश्यक कार्य-वाही की जा रही है।

9- राज्य हिन्दू संस्थान:—इसकी स्थापना 25 मार्च 1971 को इलाहाबाद में हुई। 20 दिसम्बर, 1971 से यह वाराणसी में कार्यरत है। संस्थान के प्रमुख कार्य—(1) प्रशिक्षण (2) प्रकाशन (3) शोध कार्य है। प्रशिक्षण के अन्तर्गत अब तक 713 अध्यापक एवं प्रति उप-विद्यालय निरीक्षक हिन्दू के नवीन शिक्षण विधि में प्रशिक्षित किये गये। प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन भी होता है और उन्हें प्रमाण-पत्र भी दिया जाता है।

अनुसरण कार्यक्रम के अन्तर्गत वाराणसी एवं सैदपुर (गाजीपुर) में जनवरी, फरवरी 1974 में गोष्ठियां आयोजित की गईं। संस्थान द्वारा निम्नलिखित प्रकाशन प्रकाशित हुए हैं।

- (1) पाठ संकेत हिन्दी भाषा (गद्य-पद्य) कक्षा 6 से 12 तक प्रत्येक कक्षा के लिये एक।
- (2) मुहावरा संग्रह,
- (3) शब्द संदर्भ एवं अर्थ।
- (4) हिन्दी में प्रयुक्त फारसी-अरबी के शब्द।
- (5) संस्थान प्रशिक्षण कार्य (पाठ्यक्रम एवं संक्षिप्त, व्याख्यान)
- (6) पर्यटन आख्या (काशी दर्शन) निर्देशिका के रूप में।
- (7) अनुसरण कार्यक्रम (संगोष्ठी विवरण)

इसके अतिरिक्त 'वाणी' नामक पत्रिका का भी प्रकाशन कर रहा है। पाठ्य पुस्तक रचना का कार्य किया गया है प्रवेशिका एवं बेसिक रीडर भाग-1 को सम्मिलित करके एक पुस्तक की रचना की गई है।

शोध-विभिन्न स्तरों के लिये उपर्युक्त शब्दों, बीज वाक्यों, वर्तनी तथा आख्या विधि पर शोध कार्य किया जा रहा है।

10—अंग्रेजी भाषा शिक्षण संस्थान:—इसका मुख्य उद्देश्य अंग्रेजी शिक्षकों का प्रशिक्षण है। प्रारम्भिक स्तर पर विशेष बल दिया जाता है। प्रशिक्षण विशेष रूप से अंग्रेजी पढ़ाने के आधुनिक विधि के अनुसार होता है। वर्ष 1973-74 तक 1,508 शिक्षकों ने डिप्लोमा कोर्स में प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है। इसके अतिरिक्त 1,053 शिक्षकों, शिक्षा विभागीय अधिकारियों, प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापकों ने ग्रीष्मकालीन शिविर में प्रशिक्षण अथवा पुनः प्रशिक्षण प्राप्त किया। लगभग 1,670 अन्य अंग्रेजी के अध्यापकों ने विभिन्न जिलों में संस्थान के प्राध्यापकों की सहायता से आयोजित प्रशिक्षण शिविरों में भाग लिया। वर्ष 1973-74 में निम्नलिखित पुस्तकें लिखने का कार्य किया गया।

(1) कक्षा 7 के लिये अंग्रेजी की राष्ट्रीयकृत पुस्तक भाग 2 तथा वर्क बुक लिखी गयी।

(2) जूनियर हाई स्कूल कक्षाओं के लिये जनरल इंग्लिश पुस्तक की रचना का कार्य प्रारम्भ किया गया। वर्ष 1974-75 में संस्थान द्वारा निम्नांकित पुस्तक आदि लिखने का कार्य होगा:—

1—बुलेटिन के दो अंक तथा अंग्रेजी पढ़ाने से संबंधित संस्थान के प्राध्यापकों द्वारा लिखी एक पुस्तिका प्रकाशित करना।

2—राष्ट्रीयकृत कक्षा 8 के लिये अंग्रेजी की पुस्तक का लेखन आदि। संस्थान के कार्य में दिन प्रतिदिन पर वृद्धि एवं प्रगति हो रही है।

11—राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान—संस्थान द्वारा विभिन्न स्कूल स्तरों पर विज्ञान शिक्षा के उन्नयन हेतु किये गये वर्ष 1973-74 की संक्षिप्त रूपरेखा निम्नवत्, है :—

1—प्रारम्भिक स्तर पर कक्षा 3 की राष्ट्रीयकृत विज्ञान पाठ्यपुस्तक का उर्दू रूपांतर तैयार किया गया। कक्षा 5, 6, 7 की राष्ट्रीयकृत विज्ञान पुस्तकों का निर्माण किया गया। प्रारम्भिक विद्यालयों तथा दोषा विद्यालयों के लिये यूनिसैफ से प्राप्त विज्ञान उपकरण किट वितरित किये गये और संबंधित अध्यापकों को उनके प्रयोग से परिचित कराया गया। 2,142 प्राइमरी तथा 1,000 जूनियर हाई स्कूल स्तरीय विज्ञान अध्यापक नवीन पाठ्य-क्रम में प्रशिक्षित किये गये।

2—माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा निर्मित विज्ञान के नवीन पाठ्यक्रम में एक बृहत् केंद्र प्रोग्राम द्वारा लगभग 10,000 हाई स्कूल के विज्ञान अध्यापकों को 10 इन्स्टीट्यूटों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इण्टर स्तरीय विज्ञान शिक्षकों को विज्ञान संस्थान में तैयार किया गया। विज्ञान एवं गणित के शिक्षकों के मार्ग-दर्शन हेतु शिक्षक दि-व्यशिक्षाये बनाई गयी और प्रशिक्षण अवधि में निःशुल्क वितरित की गयी। मूल्यांकन पद्धति में सुधार लाने हेतु माध्यमिक शिक्षा परिषद तथा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से कार्यशालायें आयोजित की गयी।

प्रदेश स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी तथा छात्र वैज्ञानिक अनुसंधान प्रतियोगिता का आयोजन इलाहाबाद में गत वर्षों को भांति इस वर्ष भी किया गया।

12—राज्य शिक्षा संस्थान—इस संस्थान द्वारा प्रारम्भिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। वर्ष 1973-74 में किये गये कार्यों का संक्षिप्त विवरण निम्न-लिखित है :—

(1) शोध कार्य के अन्तर्गत—

(क) ल्हास एवं अवरोध परियोजना, (ख) पाठ्यक्रम एवं संशोधन (ग) राष्ट्रीय-कृत पुस्तकों का लेखन कार्य, (घ) सांख्यिकी उद्देश्यक निरीक्षण परियोजना पर कार्य किया गया :—

(2) प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत:—

(क) शिक्षक प्रशिक्षकों का पुनःशिक्षण (ख) खंड स्तरीय निरीक्षक वर्ग का पुनःशिक्षण, (ग) खंड स्तरीय निरीक्षकों का द्वितीय चक्र पुनःशिक्षण, (घ) स्वीकृत विद्यालयों के अध्यापकों का शैक्षिक उन्नयन विचार गोष्ठी, (ङ) अनुसरण कार्यक्रम, (च) प्रारम्भिक विद्यालयों के शिक्षकों का अवकाश शिविर आयोजित कर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

(3) संशोधन एवं प्रसार के अन्तर्गत विभिन्न कार्य किये गये।

(4) प्रकाशन कार्य के अन्तर्गत—(क) संस्थान समाचार अंक 31,32 तथा 33 (ख) संस्थान विचार अंक 4,5 (ग) प्रजातांत्रिक व्यवस्था में शैक्षिक प्रशासन।

(5) प्राथमिक शिक्षा प्रसार सेवा तथा

(6) पत्रधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

13-सैनिक शिक्षा(एन0सी0सी0) राष्ट्रीय कैंडेट कोर को वर्ष 1973 में रजत जयन्ती मनायी गयी। इसके लिए तीन प्रशिक्षण शिविर लगाये गये जिनमें प्रदेश के 1,207 लड़कों ने एवं 570 लड़कियों ने भाग लिया। आल इंडिया वायु सैनिक कैम्प 1973 जो श्रीनगर में हुआ था, में एक यू0पी0 एयर स्क्वाड्रन एन0सी0सी0, कानपुर ने वेस्ट ब्ले पिजन शटिंग स्क्वाड्रन में प्रथम स्थान वेस्ट एन0सी0सी0 एयर विंग स्क्वाड्रन में द्वितीय तथा वेस्ट एन0सी0सी0 एयर स्क्वाड्रन और फ्लाइटिंग सेफ्टी परफार्मेंस में द्वितीय स्थान पाया, वेस्ट एयर कन्टीन्जेंट आफ डाइरेक्ट्रेट में उ0प्र0 का चौथा स्थान रहा। भारत सरकार के निर्णयानुसार अब फिर से इंडियन मिलिट्री एकेडेमी में एन0सी0सी0 के 'सी' सर्टीफिकेट पास कैंडेटों को भारतीय सशस्त्र सेवाओं में प्रवेश का अवसर मिलने लगा है।

वर्ष 1973-74 में राष्ट्रीय कैंडेट कोर की इकाइयों का पुनर्गठन जुलाई 1973 से कार्यान्वित हुआ जिसमें 15 ग्रुप मुख्यालय तथा 140 यूनिटें हैं। 73-74 में शासन ने 1,62,465 सीनियर तथा 37,800 जूनियर डिबीजन कैंडेटों के प्रशिक्षणार्थ 1,28,65,000 रुपया आयोजनंतर तथा 67,000 रुपया आयोजनागत बजट से स्वीकृत किया। प्रशिक्षण शिविरों की कुल संख्या 65 थी जिसमें 680 अधिकारियों तथा 29,124 कैंडेटों ने भाग लिया। 18 शिविर अन्य प्रदेशों के निदेशालयों में संगठित किये जिनमें 411 कैंडेट उत्तर प्रदेश के थे। 145 कैंडेटों ने केंद्र व्यवस्थापित कॉम्पों में भाग लिया। 15 अधिकारियों तथा 751 कैंडेटों को रेगुलर आर्मी की यूनिटों के साथ सम्बद्ध किया गया। दस कैंडेटों ने पैराड्रिपिंग में भाग लिया, एन0सी0सी0 प्रमाण-पत्रों की 1972-73 की परीक्षाओं में 875 कैंडेटों ने सी सर्टीफिकेट तथा 194 कैंडेटों ने जी-11 सर्टीफिकेट परीक्षा पास किये।

अध्याय--7

विभाग की अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

1--अध्यापकों को राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार--केन्द्रीय सरकार ने वर्ष 1958 से अध्यापकों को उनको विशिष्ट सेवा हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार योजना तथा वर्ष 1964 से राज्य पुरस्कार योजना प्रारम्भ की है। वर्ष 1974-75 में प्राइमरी मिडिल एवं हाई/हायर सेकेंडरी स्कूलों के 14 अध्यापकों ने राष्ट्रीय पुरस्कार तथा 12 अध्यापकों ने राज्य पुरस्कार प्राप्त किये।

2--शिक्षक दिवस-राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान--राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान योजना का मुख्य उद्देश्य ऐसे अध्यापकों और उनके आश्रितों को सहायता देने की व्यवस्था करना है जिनका आर्थिक दशा दयनीय है। इस प्रतिष्ठान के प्रबन्ध और प्रशासन के लिए एक सामान्य समिति गठित है। प्रदेशीय स्तर पर इस कार्य के लिए कार्यकारिणी समितियाँ भी हैं। इस राज्य में प्रदेशीय कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष शिक्षा मंत्री तथा सचिव-कोषाध्यक्ष, शिक्षा निदेशक (बैसिक एवं माध्यमिक), उत्तर प्रदेश हैं। अब तक 2,110 अभ्यर्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है।

3--लाभद्वयी योजना--(क) प्रदेश के प्राइमरी से डिग्री स्तर तक के अवकाश प्राप्त शिक्षकों को पेंशन/परिवार पेंशन हेतु निम्नलिखित आर्थिक प्राविधान किया गया है:--

विद्यालय स्तर	इकाई	प्राविधान
		₹०
(1) प्रारम्भिक स्तर	6,561	30,00,000
(2) माध्यमिक स्तर	1,700	7,75,000
(3) डिग्री स्तर	211	2,35,000

(ख) प्रदेश के प्राइमरी स्तर से डिग्री स्तर के अध्यापकों को, जिनकी सेवाकाल में मृत्यु हो जाती है उनके परिवार को आनुतोषिक प्रदान किया जाता है। वर्ष 1974-75 में नान प्लान बजट में निम्नलिखित धनराशि का प्राविधान किया गया है:--

विद्यालय स्तर	इकाई	प्राविधान
		₹०
(1) प्रारम्भिक स्तर	81	10,000
(2) माध्यमिक स्तर	30	42,000
(3) डिग्री स्तर	3	20,000

(ग) 159 शिक्षकों को भविष्य निर्वाह निधि के रूप में देने हेतु वर्ष 1974-75 में नान-प्लान बजट में 5,22,000 रुपये का प्राविधान है।

4--भारत स्काउट्स एवं गाइड्स उत्तर प्रदेश को अपनी सेवाओं को विस्तृत करने एवं कार्य-कलापों को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु पंचम पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1974-75 में 2 लाख रुपये अनुदान देने का प्राविधान किया गया है।

5—प्रदेश की 26 सार्वजनिक संस्थाओं को उनके कार्यकलापों के विस्तार हेतु 9,59,800 रुपये नान प्लान बजट से अनुदान देने का प्राविधान है ।

6—बलवन्त विद्यापीठ खरल हायर-इन्स्टीट्यूट, विचपुरी, आगरा को आयोजनोत्तर मद के अन्तर्गत 1,08,000 रुपये अनुदान देने का प्राविधान है ।

7—वर्ष 1974-75 में राजकीय प्रकाशनों से राजस्व के रूप में अब तक रुपये 18,21,794.35 पैसे की आय हुई ।

8—वर्ष 1974-75 सत्र से कक्षा 1, 2, 3 की उर्दू भाषा विषयक पुस्तकें विद्यार्थियों के पढ़ने हेतु प्रचलित की गई ।

9—वर्ष 1974-75 में राष्ट्रीयकृत कक्षा 1 से 8 तक की कुल 61 पाठ्य-पुस्तक की लगभग 2.85 करोड़ प्रतियां मुद्रित एवं प्रकाशित करायी गईं । इस वर्ष कागज की उपलब्धता में कठिनाई होने के साथ ही कागज मूल्य वृद्धि के फलस्वरूप पुस्तकों के प्रकाशन में एक अड़चन थी । परन्तु राज्य सरकार के समोचित प्रयासों ने प्रदेश की कलचरल वैरायटी का 5,000 टन कागज प्राप्त हो जाने से सारी विषम स्थिति दूर हो गई । अपने मूल्य के कलचरल वैरायटी के इस कागज की आर्जन से राष्ट्रीयकृत पाठ्य पुस्तकों का मुद्रण स्थिर बना रहा । इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने 750 टन एंडिश कागज भी प्राप्त हुआ है । यूनिफ़ोर्न गिफ्ट योजना के अन्तर्गत प्रदेश की 550 टन कागज प्राप्त हुआ है जिनसे राष्ट्रीयकृत पाठ्य-पुस्तकों का प्रकाशन एवं मद्रण कार्य संतोषजनक ढंग से चल रहा । राष्ट्रीयकृत पाठ्य पुस्तकों तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिये पाठ्य पुस्तकों के मूल्यों के निर्धारण हेतु अवकाश प्राप्त अध्याधीश श्री रामाश्रय मिश्रा की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है ।

10—इस वर्ष कापी बनाने के लिए 4,000 टन कागज आवंटित है । लगभग 680 टन से निर्मित 64 पृष्ठों की रूलदार 108 लाख अभ्यास पुस्तिकायें प्रदेश के छात्रों/छात्राओं में बांटी जा चुकी हैं । कुछ कागज प्राइवेट कापी निर्माताओं को भी कापी बनाने हेतु आवंटित कर दिया गया है ।

11—इस वर्ष हिन्दी की उत्कृष्ट पुस्तकों के क्रय हेतु राज्य सरकार ने चार लाख रुपये स्वीकृत किया है । क्रय की गई पुस्तकें शिक्षा संस्थाओं एवं सार्वजनिक पुस्तकालयों में निःशुल्क वितरित की जायेंगी ।

12—एन0 सी0 ई0 आर0 टी0, नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 1974-75 में तृतीय अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण कार्य पूरा किया गया । इसकी आख्या तैयार की जा रही है । प्राइमरी, जूनियर तथा माध्यमिक स्तर पर असेवित क्षेत्रों का निर्धारण करते हुए नवीन विद्यालयों के स्थानों का चयन करने में इससे बड़ी सहायता प्राप्त होगी ।

13—माध्यमिक स्तर पर बालिकाओं के विद्यालयों के निरीक्षण हेतु 3 सहमंडलीय बालिका विद्यालय निरीक्षिका के पदों का सृजन किया गया । इसके अतिरिक्त पीड़ी-गड़वाल मंडल में बालिकाओं को शिक्षा के पर्यवेक्षण हेतु वर्ष 1974-75 में पीड़ी-गड़वाल में एक नये मंडल का सृजन किया गया है । नव सृजित ललितपुर जिले में जिला विद्यालय निरीक्षक का कार्यालय इस वर्ष स्थापित कर दिया गया है ।

सारणी—1
शिक्षा के लिए निर्दिष्ट बजट

वर्ष	बालकों की शिक्षा के लिये बजट	बालिकाओं की शिक्षा के लिये बजट	शिक्षा के लिये सम्पूर्ण बजट
1	2	3	4
	रु०	रु०	०
1945-46	2,21,89,600	35,56,400	2,57,46,000
1950-51	6,61,14,800	76,29,400	7,37,44,200
1955-56	9,30,63,300	89,53,200	10,20,16,500
1960-61 शिक्षा	12,17,33,000	1,18,23,200	13,35,56,200
1960-61 शिक्षा नियोजन	*	*	3,87,41,000
1965-66 शिक्षा	24,36,60,500	2,53,76,200	26,90,36,700
1965-66 शिक्षा नियोजन	14,42,21,200	2,13,46,000	16,55,67,200
1968-69 शिक्षा	46,30,92,200	5,35,93,100	51,66,85,300
1968-69 शिक्षा नियोजन	6,31,67,100	38,56,600	6,70,23,700
1973-74 शिक्षा	1,02,99,58,800	7,27,21,800	1,10,26,80,600
1973-74 शिक्षा नियोजन	43,15,52,400	1,28,90,700	44,44,43,100
1974-75 शिक्षा	1,55,13,92,400	8,39,02,100	1,63,52,94,500
1974-75 शिक्षा नियोजन	10,44,29,800	61,19,000	11,05,48,800

टिप्पणी—इसके अतिरिक्त बालकों की शिक्षा के लिये बजट में बालिकाओं की शिक्षा पर व्यय सम्मिलित है ।

* विभक्त बजट में उपलब्ध नहीं है ।

साराणी--2
शिक्षा के विभिन्न शीर्षकों के लिए बजट

	1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1973-74	1974-75	
	1	2	3	4	5	6	7	8
शिक्षा--								
1--प्रारम्भिक	90,78,200	3,32,18,200	4,24,73,600	5,69,27,000	10,30,06,400	35,43,83,200	88,11,48,300	
2--माध्यमिक	82,06,700	1,65,95,000	2,35,46,400	3,26,10,200	6,53,67,800	25,53,04,000	40,41,87,300	
3--विश्वविद्यालय								
तथा डिग्री								
कालेज	30,17,300	47,77,100	89,47,700	1,13,62,000	1,91,07,100	5,08,76,300	9,10,24,600	
4--ट्रेनिंग	..	5,99,400	9,14,900	9,83,400	13,96,900	30,12,300	..	
5--अन्य	54,43,800	1,85,54,500	2,61,33,900	3,06,73,600	8,01,58,500	43,91,04,800	..	
6--विशेष शिक्षा	1,15,43,300	
7--प्राविधिक शिक्षा	3,81,95,200	
8--क्रीड़ा एवं युवक								
कल्याण	2,03,63,000	
9--सामान्य शिक्षा	32,800	
10--एक मुश्त								
प्राविधान	18,88,00,000	
योग ..	2,57,46,000	7,37,44,200	10,20,16,500	13,35,56,200	26,90,36,700	1,10,26,80,600	1,63,52,94,500	

1	2	3	4	5	6	7	8
शिक्षा नियोजन—							
1—प्रारम्भिक	2,54,76,900	6,75,47,200	31,02,30,900	6,17,41,500
2—माध्यमिक	63,67,000	3,20,95,900	2,70,01,300	1,65,61,000
3—विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेज	41,17,000	1,47,51,200	1,65,98,100	1,18,90,200
4—ट्रेनिंग	13,06,000	75,21,200	1,31,73,000	..
5—अन्य	14,74,100	4,36,51,700	8,92,95,500	..
6—विशेष शिक्षा	41,29,300
7—प्राविधिक शिक्षा	10,59,300
8—क्रीडा एवं युवक कल्याण	39,67,800
9—सामान्य शिक्षा	1,00,000
10—एक मुश्त प्राविधान	20,00,000
योग	3,87,41,000	16,55,67,200	45,62,98,800	10,14,49,100

ट्रेनिंग से सम्बन्धित बजट वर्ष 1974-75 में विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेजों में रुकित कर दिया गया है ।

सारणी—3
व्यय के स्रोत

वर्ष तथा स्रोत	1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1969-70	1970-71
	₹०	₹०	₹०	₹०	₹०	₹०	₹०
राजकीय निधि से]	2,70,03,667	7,39,18,773	12,31,39,959	23,44,40,547	46,82,88,678	75,52,04,577	80,79,15,427
स्थानीय निकाय निधि से	71,06,972	1,85,36,569	2,10,74,826	2,76,41,516	4,24,19,854	4,46,99,191	4,13,74,177
विश्वविद्यालय निधि से (क)	(क)	(क)	(क)	(क)	1,08,34,387	1,51,98,479	1,49,68,053
शुल्क से]	1,60,37,418	3,99,80,104	7,24,00,440	9,12,94,133	14,30,38,133	20,40,99,528	21,66,90,591
प्राभूति एवं अन्य निधि से	1,00,07,180	3,08,42,455	3,70,68,823	4,36,27,313	5,70,28,689	6,74,75,881	7,18,34,266
योग ..	6,01,55,237	16,32,77,901	25,36,84,048	39,70,03,509	72,16,09,741	1,08,66,77,656	1,15,27,82,514

(क) इन वर्षों की धनराशि प्राभूति एवं अन्य निधि की राशि में सम्मिलित है ।

सारणी—4'
प्रबन्धानुसार शिक्षा संस्थायें सामान्य शिक्षा

		1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1969-70	1970-71
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
राजकीय	.. बालक	1,392	942	834	1,119	1,821	1,846	933	952*
	बालिका	120	152	171	222	545	570	346	352@
स्थानीय निकाय	.. बालक	14,153	27,879	28,745	34,418	47,903	48,917	50,327	50,604
	बालिका	1,280	2,444	2,726	4,968	11,020	11,609	12,321	12,759
विश्वविद्यालय*	.. बालक	5	6	6	9	9	11	11	11
	बालिका
सहायता प्राप्त	.. बालक	5,245	3,072	2,765	3,198	4,059	4,858	4,993	4,946
	बालिका	706	508	478	558	726	822	840	840
असहायता प्राप्त	.. बालक	482	825	1,315	1,747	2,912	3,546	3,555	3,894
	बालिका	23	44	69	160	248	321	346	370
योग	.. बालक	21,277	32,724	33,665	40,491	56,704	59,178	59,819	60,407
	बालिका	2,129	3,148	3,444	5,908	12,539	13,322	13,853	14,321

टिप्पणी:— (1) वर्ष 1945-46 में व्यवसायिक संस्थायें भी सम्मिलित हैं ।
(2) विश्वविद्यालयों की संख्या वर्ष 1945-46, 1950-51, 1955-56 तथा 1960-61 में सहायता प्राप्त संस्थाओं की संख्या में सम्मिलित थी ।

*दो विश्वविद्यालय मानी गई संस्थायें सम्मिलित नहीं हैं ।

- (1) काशी विद्यापीठ, वाराणसी ।
- (2) गुरुकुल कांगड़ी, विश्वविद्यालय, सहारनपुर ।

@देहरी एवं रामपुर 'मर्ज एण्ड डिफण्ड स्टेट' के राजकीय विद्यालय स्थानीय निकायों को हस्तान्तरित होने के कारण कमी हुई है ।

सारणी--5

विभिन्न प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थायें (प्रथम तीन स्तर)

		1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1970-71	1973-74*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (लड़के)	सब	356	833	1,253	1,489	2,050	2,834	3,359
	ग्रामीण क्षेत्रों में	43	304	590	743	1,185	1,790	2,151
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (लड़कियां)	सब	86	154	221	282	451	581	644
	ग्रामीण क्षेत्रों में	..	1	2	6	27	50	107
योग	सब	442	987	1,474	1,771	2,501	3,415	4,003
	ग्रामीण क्षेत्रों में	43	305	592	749	1,212	1,840	2,258
सीनियर बेसिक स्कूल (लड़के)	सब	1,202	2,386	3,128	3,674	4,945	6,779	7,355
	ग्रामीण क्षेत्रों में	734	1,854	2,661	3,025	4,242	5,602	6,097
सीनियर बेसिक स्कूल (लड़कियां)	सब	474	468	512	661	1,209	2,008	2,421
	ग्रामीण क्षेत्रों में	64	130	195	247	708	1,265	1,581
योग	सब	1,676	2,854	3,640	4,335	6,154	8,787	9,776
	ग्रामीण क्षेत्रों में	798	1,984	2,856	3,272	4,950	6,867	7,678

सारणी—5 (समाप्त)

		1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1970-71	1973-74*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
जूनियर बेसिक स्कूल (लड़के)	.. सब	17,545	29,459	29,202	35,156	49,443	50,503	51,394
	ग्रामीण क्षेत्रों में	15,167	22,106	26,503	31,656	45,360	46,512	47,549
जूनियर बेसिक स्कूल (लड़कियाँ)	.. सब	1,472	2,520	2,696	4,927	10,800	11,624	12,020
	ग्रामीण क्षेत्रों में	904	1,604	1,897	3,646	8,895	9,486	9,528
योग ..	सब	19,017	31,979	31,898	40,083	60,243	62,127	63,414
	ग्रामीण क्षेत्रों में	16,071	23,710	28,400	35,302	54,255	55,998	57,077
नर्सरी स्कूल (लड़के)	.. सब	..	6	19	55	110	86	176
	ग्रामीण क्षेत्रों में
नर्सरी स्कूल (लड़कियाँ)	सब	7	18	43	55	90
	ग्रामीण क्षेत्रों में
योग ..	सब	..	6	26	73	153	141	266
	ग्रामीण क्षेत्रों में

*आंकड़े अस्थाई हैं ।

सारणी--6
विभिन्न प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थायें (अन्तिम दो स्तर)

		1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1970-71	1973-74*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
विश्वविद्यालय	.. लड़के	5	6	6	9	9(क)	11(क)	11(ख)
	.. लड़कियां
योग	..	5	6	6	9	9(क)	11(क)	11(ख)
डिग्री कालेज	.. लड़के	10	34	57	108	147	194	283
	.. लड़कियां	2	6	8	20	36	53	70
योग	..	12	40	65	128	183	247	353

*आंकड़े अस्थाई हैं ।

(क) दो विश्वविद्यालय मानी गयी संस्थायें सम्मिलित नहीं हैं ।

(1) काशी विद्यापीठ, वाराणसी ।

(2) गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर ।

(ख) विश्वविद्यालय मानी गई एक संस्था—गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर सम्मिलित नहीं है ।

सारणी 7
संस्था के अनुसार छात्रों की संख्या

		1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1970-71	1973-74*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
विश्वविद्यालय**	लड़के	9,730(अ)	19,105	24,616	29,785	37,628	51,799	53,353(क)
	लड़कियाँ	605(अ)	1,671	2,802	4,033	8,208	11,906	12,144(क)
	योग ..	10,335(अ)	20,776	27,418	33,818	45,836	63,705	65,497(क)
डिग्री कॉलेज	लड़के	16,843(ब)	27,294	45,725	58,959	74,295	1,46,242	1,85,497
	लड़कियाँ	1,585(ब)	2,504	4,874	8,743	20,263	39,133	47,972
	योग ..	18,428(ब)	29,798	50,599	67,702	94,558	1,85,375	2,33,469
उच्चतर माध्यमिक स्कूल	लड़के	1,56,133(घ)	3,59,580	5,56,530	7,57,592	12,71,038	18,51,759	19,93,700
	लड़कियाँ	23,315(घ)	57,825	87,599	1,54,485	2,87,862	4,63,977	5,18,481
	योग ..	1,79,448(घ)	4,17,405	6,44,129	9,12,077	15,58,900	23,15,736	25,12,181
सोनियर बेसिक स्कूल	लड़के	1,50,583	2,78,339	3,55,266	4,46,139	7,88,905	10,95,740	12,04,437
	लड़कियाँ	81,498	69,798	71,759	1,03,688	1,94,945	2,85,166	3,21,178
	योग ..	2,32,081	3,48,137	4,27,025	5,49,827	9,83,850	13,80,906	15,25,615

		1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1970-71	1973-74*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ग्रुनियर बेसिक स्कूल ..	लड़के ..	11,95,636	23,92,175	22,53,231	31,70,868	57,64,857	67,48,031	70,86,802
	लड़कियां ..	1,75,058	3,34,948	4,84,956	7,87,960	30,23,248	38,67,691	41,88,304
योग ..		13,70,694	27,27,123	27,37,827	39,58,828	87,88,105	1,06,15,722	1,12,75,106
नर्सरी स्कूल ..	लड़के ..		644	1,507	4,486	11,882	13,742	20,068
	लड़कियां ..		162	991	3,068	7,745	10,551	11,061
योग ..			806	2,498	7,554	19,627	24,293	31,129

(ब) इन्टर कक्षाओं के विद्यार्थी सम्मिलित नहीं हैं।

(अ) यह केवल विज्ञान और कला के विद्यार्थियों की संख्या है।

(ब) इन संस्थाओं में समस्त इन्टर कक्षा के विद्यार्थी सम्मिलित हैं।

*आंकड़े अस्थायी हैं।

**वर्ष 1973-74 में एक तथा इसमें पूर्व के वर्षों में दो विश्वविद्यालय मानी हुई संस्थाओं की छात्र संख्या सम्मिलित नहीं है।

(क) अनुमानित हैं।

सारणी-४

संस्थानुसार अध्यापकों की संख्या

		1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1970-71	1973-74*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
विश्वविद्यालय**								
	पुरुष	839	1,201	1,331	2,089	2,797	3,708	अनुपलब्ध
	महिला	56	71	114	159	234	390	"
योग	..	895	1,272	1,445	2,248	3,031	4,098	"
डिग्री कालेजों में								
	पुरुष	411	1,175	2,155	3,113	4,640	7,715	8,065
	महिला	37	74	172	331	793	1,678	1,731
योग	448	1,249	2,327	3,444	5,433	9,393	9,796
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में								
	पुरुष	7,398	15,453	24,541	30,222	45,717	64,810	75,179
	महिला	1,417	2,774	4,130	5,854	10,697	14,836	16,055
योग	8,815	18,227	28,671	36,076	56,414	79,646	91,234
सोनियर बेसिक स्कूलों में								
	पुरुष	6,435	11,605	16,734	19,057	28,865	41,306	45,421
	महिला	3,426	2,900	3,262	4,202	7,002	10,880	11,913
योग	9,861	14,505	19,996	23,259	35,867	52,186	57,334

1	2	3	4	5	6	7	8	9
जूनियर बेसिक स्कूलों में	पुरुष	38,376	65,110	70,641	87,340	1,44,659	1,70,857	1,93,657
	महिला	2,610	5,189	6,934	11,714	23,918	32,502	37,212
योग	40,986	70,299	77,575	99,054	1,68,577	2,03,359	2,30,869
नर्सरी स्कूलों में	पुरुष	..	8	35	51	199	270	392
	महिला	..	14	149	348	723	750	989
योग	22	184	399	922	1,020	1,381

*आंकड़े अस्थाई हैं।

**विश्वविद्यालय, मानी गई संस्थाओं के अध्यापकों की संख्या सम्मिलित नहीं है।

सारणी--9

स्तरानुसार छात्रों की संख्या तथा अध्यापकों की संख्या

		1964-65	1965-66	1966-67	1967-68	1968-69	1969-70	1970-71	1971-72*
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1--छात्रों की संख्या--									
प्री प्राइमरी स्तर	योग	24,393	25,815	30,747	25,872	27,540	31,824	33,390	34,805
	बालिका	9,417	10,535	12,689	10,455	11,368	13,190	14,687	15,133
जूनियर बेसिक स्तर (कक्षा 1-5)	योग	81,13,761	90,17,914	95,79,995	99,15,153	1,01,70,669	1,04,08,616	1,08,64,506	1,10,01,618
	बालिका	26,47,447	31,39,237	34,00,569	35,72,497	37,27,453	38,45,915	40,06,711	44,49,456
सीनियर बेसिक स्तर (कक्षा 6-8)	योग	13,51,129	15,14,037	16,34,498	17,80,186	19,11,969	20,82,632	22,17,968	24,07,285
	बालिका	2,16,983	2,55,618	2,74,446	3,03,891	3,34,770	3,72,367	4,16,335	5,09,221
हाई/हायर सेकेंडरी स्तर (कक्षा 9-12)	योग	7,00,172	8,02,556	8,79,799	9,69,145	10,58,151	11,51,749	12,28,504	13,52,588
	बालिका	90,170	1,11,982	1,17,162	1,40,089	1,51,282	1,81,226	1,94,061	2,13,351
स्नातक स्तर	योग	60,354	74,282	81,632	94,936	1,24,327	1,41,664	1,51,351	1,61,946@
	बालिका	12,593	17,127	19,833	22,018	27,355	30,215	30,803	31,419@
स्नातकोत्तर स्तर	योग	18,051	19,755	21,186	25,099	29,188	33,627	38,997	41,337@
	बालिका	3,578	4,210	4,840	6,040	7,094	8,372	10,482	13,102@

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2—अध्यापकों की संख्या—										
(प्री प्राइमरी स्तर)	योग		901	1,045	1,139	1,144	1,285	1,816	1,362	1,521
	महिला		677	833	847	845	973	1,014	1,030	1,120
जूनियर बेसिक स्तर (कक्षा 1-5)	योग		1,60,555	1,74,377	1,81,661	1,88,255	1,95,202	2,05,438	2,10,155	2,13,461
	महिला		25,061	26,841	28,421	30,017	31,830	33,987	35,316	36,737
सीनियर बेसिक स्तर (कक्षा 6-8)	योग		44,477	49,965	57,714	61,703	64,399	68,441	73,135	80,314
	महिला		7,929	8,677	10,491	11,361	11,822	12,866	14,197	15,486
हाई/हायर सेकेंडरी स्तर (कक्षा 9-12)	योग		33,285	36,730	39,946	43,300	46,063	48,595	51,559	60,029
	महिला		5,114	5,983	6,524	7,238	7,752	7,964	8,425	9,769
स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर	योग		7,815	8,464	9,225	10,193	10,749	12,020	12,364	अनुपलब्ध
	महिला		855	1,027	1,147	1,322	1,441	1,684	1,836	अनुपलब्ध

(1) प्री प्राइमरी स्तर स्कूलों, वर्ष 1964-65, 1965-66 व 1966-67 के आंकड़ों में इन संस्थाओं के वे छात्र सम्मिलित हैं जो कक्षा 1-5 में पढ़ते हैं जबकि 1967-68 व आगे के वर्षों में इन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है। अतः 1964-65 से 1966-67 तथा 1967-68 व 1968-69 के आंकड़े विस्तार क्षेत्र भिन्न होने के कारण तुलनीय नहीं हैं।

(2) हाई/हायर सेकेंडरी स्तर के छात्रों में डिग्री कालेजों से सम्बद्ध कक्षा 11 व 12 के छात्रों की संख्या वर्ष 1964-65 से 1968-69 तक सम्मिलित नहीं है।

@अनुमानित हैं।

*आंकड़े अस्थायी हैं।

सारणी—10

माध्यमिक शिक्षा परिषद् की परीक्षाओं के लिए मान्यता प्राप्त विद्यालयों की संख्या

	1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1970-71	1973-74	1974-75	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
हाई स्कूल परीक्षा—									
लड़कों की शिक्षा संस्थायें	315	749	1,175	1,404	1,837	2,656	3,217	3,459	७९
लड़कियों की शिक्षा संस्थायें	56	130	197	257	354	541	601	608	
योग	371	879	1,372	1,661	2,191	3,197	3,818	4,067	
इंटरमीडिएट परीक्षा—									
लड़कों की शिक्षा संस्थायें	113	334	652	786	1,002	1,468	1,753	1,869	
लड़कियों की शिक्षा संस्थायें	15	41	111	148	214	302	328	360	
योग	128	375	763	934	1,216	1,770	2,081	2,229	

सारणी-11 (अ)
हाई स्कूल परीक्षा में परीक्षार्थियों की संख्या

	1945	1951	1956	1961	1966	1969	1972	1974
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हाई स्कूल परीक्षा में पंजीकृत संख्या—								
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	1,67,549	2,15,252	3,14,578	4,05,856	5,45,450	5,80,624
लड़कियां ..	"	"	16,488	22,620	41,826	68,170	78,942	1,01,577
योग ..	27,272	1,10,681	1,84,037	2,37,872	3,56,404	4,74,026	6,24,392	6,82,201
परीक्षा में सम्मिलित होने वालों की संख्या—								
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	1,55,285	2,04,315	2,95,036	3,85,294	5,15,267	5,44,482
लड़कियां ..	"	"	14,301	21,526	38,605	65,079	70,786	97,169
योग ..	25,153	98,534	1,69,586	2,25,841	3,33,641	4,50,373	5,86,053	6,41,651
उत्तीर्ण होने वालों की संख्या—								
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	68,589	89,880	1,30,277	1,69,410	2,24,955	1,79,102
लड़कियां ..	"	"	8,528	13,860	25,187	43,892	48,568	67,626
योग ..	15,820	58,234	77,117	1,03,740	1,55,464	2,13,302	2,73,523	2,46,728

सारणी-11 (ब)
इण्टरमीडिएट परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या

	1946	1951	1956	1961	1966	1969	1972	1974
1	2	3	4	5	6	7	8	9
इण्टरमीडिएट परीक्षा में पंजीकृत								
संख्या—								
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	78,457	99,600	1,48,785	2,27,474	2,68,006	3,08,408
लड़कियां ..	"	"	9,344	13,745	27,912	42,392	56,750	69,774
योग	12,230	41,009	87,801	1,13,345	1,76,697	2,69,866	3,24,756	3,78,182
परीक्षा में सम्मिलित होने वालों								
की संख्या—								
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	69,858	89,542	1,29,269	2,06,854	2,41,790	2,78,771
लड़कियां ..	"	"	8,219	12,282	24,151	38,812	51,797	63,620
योग ..	10,458	34,464	78,077	1,01,824	1,53,420	2,45,666	2,93,587	3,42,391
उत्तीर्ण होने वालों की संख्या—								
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	36,376	35,645	54,381	1,01,781	1,25,531	1,47,152
लड़कियां ..	"	"	5,058	6,557	13,299	25,969	33,118	39,811
योग ..	6,804	20,523	41,434	42,202	67,680	1,27,750	1,58,649	1,86,963

सारणी-12
संस्कृत पाठशालाओं की संख्या और राजकीय सहायता

	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1969-70*	1973-74*
1	2	3	4	5	6	7	8
स्वीकृत पाठशालाएँ	1,400	1,014	1,050	800	900	900	925
छात्र संख्या	34,093	39,901	42,092	43,600	48,805	48,600	53,350
सहायता प्राप्त पाठशालाएँ	332	418	637	779	779	803	839
राज्य से प्राप्त सहायता (रु० में)	2,53,512	4,64,448	9,62,953	22,14,020	28,20,273	39,30,544	64,22,341

*आंकड़े अस्थायी हैं ।

सारणी-13
अरेबिक मदरसों की संख्या और राजकीय सहायता

		1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1969-70*	1973-74*
1		2	3	4	5	6	7	8
स्वीकृत मदरसे	86	89	104	124	125	146	155
छात्र संख्या	14,190	16,710	26,215	26,672	29,382	अनुपलब्ध
सहायता प्राप्त मदरसे	86	89	104	124	125	123	130
राज्य से प्राप्त सहायता (र० में)	..	90,672	1,02,394	1,24,164	2,56,454	2,44,840	2,94,603	अनुपलब्ध

*आंकड़े अस्थायी हैं।

सारणी-14

प्रशिक्षण संस्थान तथा संबद्ध प्रशिक्षण कक्षार्थे (संख्या)

	1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1971-72*	1973-74*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ट्रेनिंग कालेज एल० टी० स्तर								
(एक वर्ष)								
पुरुष ..	3	4	6	7	6	7	8	11
महिला ..	1	5	2	3	4	4	2	2
योग ..	4	9(ग)	8	10	10	11	10	13
विश्वविद्यालयों के प्रशिक्षण								
विभाग बी० एड० तथा								
एम०एड० पुरुष तथा महिला सम्मिलित								
..	..	3	5	5	5	5	6	
डिग्री कालेजों की प्रशिक्षण								
कक्षार्थे एल० टी० स्तर								
पुरुष	8	10	28	36	41	48	48
महिला	1	2	2	6	6	8	9
योग	9	12	30	42	47	56	57

1	2	3	4	5	6	7	8	9
जूनियर बेसिक ट्रेनिंग कालेज तथा अन्य सी० टी० स्तर की प्रशिक्षण संस्थाएँ—								
पुरुष ..	3	अनुपलब्ध	5	5	5	7	8	8
महिला ..	7	"	7	6	8	11	11	12
योग ..	10	"	12	11	13	18	19	20
जे०टी०सी० कालेज (2 वर्ष) —								
पुरुष	109	33	33	42	—	—	—
महिला	24	1	4	11	—	—	—
योग	133(च)	34	37	53	—	—	—
नार्मल स्कूल (बो वर्ष) —								
पुरुष ..	44(घ)	अनुपलब्ध	45	95	121	—	—	—
महिला ..	26(घ)	"	16	22	42	—	—	—
योग ..	70(घ)	"	61	117	163	—	—	—
बी०टी०सी० (1 वर्ष) ..								
पुरुष	230	194	194
महिला	89	67	67
योग	319	261	261

- (घ) इस संख्या में 11 सेट्रल ट्रेनिंग स्कूल और 21 ट्रेनिंग क्लास सम्मिलित हैं। जिनमें 1 वर्ष का कोर्स था।
(ग) इस संख्या में 9 ट्रेनिंग क्लास सम्मिलित है जिनमें 1 वर्ष का कोर्स था।
(च) इनमें नार्मल स्कूल भी सम्मिलित है।
(—) ये संस्थाएँ अब बी०टी०सी० में परिवर्तित हो गयी हैं।
(*) आंकड़े अस्थाई हैं।

सारणी-15

प्रशिक्षण संस्थान तथा सम्बद्ध प्रशिक्षण कक्षार्थे (छात्र संख्या)

	1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1971-72*	1973-74*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ट्रेनिंग कालेज (एल 0 टी 0 स्तर) —								
पुरुष ..	202	226	415	500	540	594	1,031	995
महिला ..	57	337	311	520	621	763	534	540
योग ..	259	563 (ल)	726	1,020	1,161	1,357	1,565	1,535
विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण विभाग (बी 0 एड 0 तथा एम 0 एड 0) —								
पुरुष	312	257	356	272	442	495	अनुपलब्ध
महिला	107	127	144	354	279	432	"
योग	419	384	500	626	721	927	अनुपलब्ध
डिग्री कालेजों की प्रशिक्षण कक्षार्थे (एल 0 टी 0 स्तर) —								
पुरुष	520	956	2,413	2,797	2,837	2,889	अनुपलब्ध
महिला	66	289	509	1,140	1,310	1,699	"
योग	586	1,245	2,922	3,937	4,147	4,588	"

1	2	3	4	5	6	7	8	9
जे 0 बी 0 टी 0 सी 0 कालेज आदि:								
(दो वर्षों से 0 टी 0 स्तर)								
पुरुष ..	210	..	315	597	361	299	227	545
महिला ..	148	..	252	254	344	537	440	485
योग ..	358	..	567	851	705	836	667	1,030
जे 0 टी 0 सी 0 कालेज (दो वर्षों)								
पुरुष	15,166	1,361	2,350	2,225
महिला	639	106	341	787
योग	15,805 (ज)	1,467	2,691	3,012 (क)
नामल स्कूल (दो वर्षों)—								
पुरुष ..	1,410	..	3,773	9,569	16,205
महिला ..	639	..	567	1,314	4,210
योग ..	2,049 (घ)	..	4,340	10,880	20,415 (ख)
बी 0 टी 0 सी 0 (एक वर्षों)—								
पुरुष	17,946	22,789	21,704
महिला	6,589	7,027	7,956
योग	24,535	29,816	29,660

(ज) इनमें नामल स्कूल के छात्र भी सम्मिलित हैं।

(ल) इनमें सी 0 टी 0 के छात्र भी सम्मिलित हैं।

(य) इस संख्या में 552 लड़कों 171 लड़कियां बी 0 टी 0 सी 0 कोर्स भी सम्मिलित हैं।

* आंकड़ अस्थाई हैं।

(क) इस संख्या में जे 0 टी 0 सी 0 यूनिट्स के छात्रों की संख्या ही सम्मिलित है।

(ख) इस संख्या में एच 0 टी 0 सी 0 यूनिट्स के छात्रों की संख्या भी सम्मिलित है।

सारणी-16

प्रशिक्षण संस्थायें एवं सम्बद्ध प्रशिक्षण कक्षायें उत्तीर्ण होने वाले छात्राध्यापकों और छात्राध्यापिकाओं की संख्या

	1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1971-72*	1972-73*	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
एल० टी०, बी० टी०, तथा									
बी० एड० (एक वर्ष) —									
पुरुष] ..	249	880	1,386	3,032	3,222	4,234	853(क)	765(क)	
महिला ..	75	208	511	977	1,735	2,122	416(क)	434(क)	
योग ..	324	1,088	1,897	4,009	4,957	6,356	1,269(क)	1,199(क)	
एम० एड० (एक वर्ष) —									
पुरुष] ..	0	58	36	74	92	94	(-)	(-)	
महिला ..	1	45	42	42	66 ¹	81	(-)	(-)	
योग ..	4	83	78	116	158	175	(-)	(-)	
जे० बी० टी० सी० (दो वर्ष)									
(सी० टी० स्तर)									
पुरुष ..	99	32	167	110	94	278	226	360	
महिला ..	69	155	253	116	217	331	370	333	
योग ..	168	187	420	226	311	609	596	693	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
जे० टी० सी० (दो वर्ष) --								
पुरुष ..	अनुपलब्ध	994	949	999	1,592	54	24	समाप्त
महिला ..	अनुपलब्ध	3	68	147	294	21	6	समाप्त
योग ..	अनुपलब्ध	997	1,017	1,146	1,886	75	30	समाप्त
एच० टी० सी० (दो वर्ष) तथा बी० टी० सी० (एक वर्ष)								
पुरुष ..	1,102	10,576	1,751	4,173	6,129	16,717	18,204	15,996
महिला ..	349	636	294	547	1,553	3,570	4,309	4,951
योग ..	1,451(य)	11,212(र)	2,045	4,720	7,682	20,287	22,513	20,947

(क) केवल एल० टी० परीक्षाफल है ।

(-) आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं ।

* आंकड़े प्राविजनल हैं ।

(य) इस संख्या में 606 लड़के और लड़कियां भी बी० टी० सी० परीक्षा उत्तीर्ण सम्मिलित हैं ।

(र) सचल विद्यालय के छात्राध्यापक भी सम्मिलित हैं । यह योजना बाद में बन्द हो गयी है ।

सारणी--17
31 मार्च, 1974 की जिलेवार विद्यालयों की संख्या

जिले का नाम	हाई/हायर सेकेंडरी स्कूल			सीनियर बेसिक स्कूल			जूनियर बेसिक स्कूल		
	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
इलाहाबाद	135	28	163	194	65	259	1531	371	1902
आजमगढ़ (क)	108	8	116	191	59	250	1282	264	1546
बहराइच (क)	24	4	28	97	52	149	914	246	1160
बलिया	74	4	78	155	42	197	975	230	1205
बस्ती (क)	85	6	91	228	63	291	1570	261	1831
देवरिया	100	7	107	252	40	292	1662	317	1979
फैजाबाद (क)	63	10	73	135	15	150	1063	253	1316
गाजीपुर (क)	71	5	76	141	32	173	739	200	939
गोण्डा (ख)	40	7	47	96	20	116	1386	279	1665
गोरखपुर	115	16	131	218	91	309	1456	320	1776
जौनपुर	110	7	117	208	57	265	1040	216	1256
मिर्जापुर	46	6	52	132	57	189	1081	225	1306
प्रतापगढ़ (क)	51	1	52	98	39	137	722	162	884
सुन्तानपुर (क)	48	3	51	145	54	199	1156	263	1419
वाराणसी	112	36	148	241	104	345	1320	301	1621
पूर्वी क्षेत्र	1,182	148	1,330	2,531	790	3,321	17,897	3,908	21,805

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अल्मोडा	67	5	72	122	12	134	793	109	902
पिथौरागढ़	39	5	44	88	7	95	600	91	691
देहरादून (ख)	28	15	43	57	31	88	440	102	542
पौड़ीगढ़वाल	64	5	69	106	32	138	801	142	943
चमोली	33	2	35	61	12	73	506	38	544
नैनीताल (क)	32	14	46	104	26	130	693	102	795
हेरी गढ़वाल	18	2	20	80	32	112	513	129	642
उत्तरकाशी	10	1	11	37	3	40	278	16	294
पर्वतीय क्षेत्र	291	49	340	655	155	810	4624	729	5,353
बांदा	38	4	42	150	23	173	898	222	1,120
हमीरपुर	23	5	28	121	44	165	964	165	1,129
जौनपुर	48	12	60	103	29	132	681	148	829
शांसी (क)	48	12	60	150	38	188	1,059	183	1,242
बुन्देलखण्ड क्षेत्र	157	33	190	524	134	658	3,602	718	4,320
आगरा (क)	87	31	118	234	95	329	1,048	235	1,283
अलीगढ़	101	19	120	199	53	252	1,107	310	1,417
बरेली (क)	57	20	77	137	48	185	967	275	1,242
बिजनौर	57	12	69	90	22	112	665	221	886
बदायूँ (ख)	32	10	42	94	48	142	848	259	1,107
बुलन्दशहर (क)	138	18	156	94	23	117	1,008	342	1,350
एटा (ग)	62	8	70	121	15	136	787	189	976
इटावा (क)	81	8	89	209	56	265	819	180	999
फर्रुखाबाद (ग)	76	14	90	179	44	223	817	213	1,030
मैनपुरी (ग)	53	8	61	186	52	238	964	173	1,137
मथुरा	91	12	103	105	25	130	819	214	1,033
मरठ (ग)	186	53	239	215	94	309	1,590	511	2,101
मुरादाबाद	78	24	102	139	80	219	1,400	294	1,694

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
मुजफ्फरनगर	72	18	90	89	56	145	850	308	1,158
पीलीभीत (ग)	14	3	17	55	16	71	481	134	615
रामपुर (क)	19	6	25	39	20	59	474	122	596
सहारनपुर	81	23	104	129	71	200	1,073	356	1,429
शाहजहांपुर	26	10	36	92	45	138	950	210	1,160
पश्चिमी क्षेत्र	1,311	297	1,608	2,406	864	3,270	16,667	4,546	21,213
बाराबंकी	25	2	27	151	35	186	1,003	292	1,295
फतेहपुर	54	4	58	108	54	162	642	169	811
हरदोई (क)	29	4	33	144	29	173	1,060	194	1,254
कानपुर (ख)	89	31	120	218	124	342	1,417	417	1,834
लखनऊ (क)	62	37	99	85	25	110	812	332	1,144
लखीमपुर खोरी (क)	27	5	32	73	40	113	974	162	1,136
रायबरेली (ख)	33	3	36	112	46	158	709	165	874
संतापुर	34	8	42	195	75	270	1,012	233	1,245
उन्नाव (क)	37	6	43	153	47	200	971	153	1,124
योग मध्य क्षेत्र	390	100	490	1,239	475	1,714	8,600	2,117	10,717
ग्रान्ठ भारतीय (क) विद्यालय	28	17	45	..	3	3	4	2	6
स्टेट यू पी 0	3,359	644	4,003	7,355	2,421	9,776	51,394	12,020	63,414

नोट—(1) आंकड़े—संशोधित अस्थाई हैं।

(क) 72-73 के आंकड़े।

(ख) 71-72 के आंकड़े।

(ग) गत वर्ष शिक्षा की प्रगति में प्रकाशित आंकड़े।

उत्तर प्रदेश में शिक्षा की प्रगति

भाग 2

प्राविधिक शिक्षा

1974-75

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश
कानपुर

प्राविधिक शिक्षा की प्रगति 1974-75

उत्तर प्रदेश में प्राविधिक शिक्षा का विकास समय-समय पर भारत सरकार की संस्तुतियों के अनुसार किया जा रहा है। प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत प्राविधिक संस्थानों द्वारा स्नातकोत्तर स्नातक तथा डिप्लोमा स्तर के विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रदेश में प्राविधिक शिक्षा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति होती जा रही है। आजादी के पूर्व विश्व-विद्यालयों को छोड़कर पूरे प्रदेश में डिग्री स्तर की केवल दो प्राविधिक संस्थायें थीं। थामसन कालेज आफ इंजीनियरिंग, रुड़की तथा एच 0 बी 0 टी 0 आई 0, कानपुर। आजादी के पश्चात् प्रथम पंचवर्षीय योजनाविधि में प्राइवेट संस्था के रूप में इंजीनियरिंग कालेज, दयालबाग, आगरा की स्थापना की गयी। द्वितीय पंचवर्षीय योजनाविधि में कोई इंजीनियरिंग कालेज नहीं खोला गया। तृतीय पंचवर्षीय योजनाविधि में मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद तथा मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर की स्थापना की गई। तत्पश्चात् वर्ष 1966-67 में पंत कालेज आफ टेकनोलॉजी, पंतनगर, नैनीताल की स्थापना की गयी। स्नातक इंजीनियरों में व्याप्त बेरोजगारी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया कि चतुर्थ पंचवर्षीय योजना तथा पंचम पंचवर्षीय योजनाविधि में कोई भी नया डिग्री स्तरीय इंजीनियरिंग कालेज न खोला जाय बल्कि पहले से विद्यमान संस्थाओं का विकास किया जाय तथा यदि अतिरिक्त इंजीनियरों की आवश्यकता हो तो उनकी प्रवेश क्षमता बढ़ाई जाय। इस तरह प्रदेश शासन के अन्तर्गत स्नातकोत्तर तथा स्नातक स्तर की कुल छः संस्थायें हैं जिनके संबंध में आवश्यक विवरण नीचे दिया गया है।

स्नातकोत्तर तथा स्नातक स्तर की इंजीनियरिंग संस्थायें।

रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की

थामसन कालेज आफ इंजीनियरिंग, रुड़की वर्ष 1847 में स्थापित किया गया था। तत्पश्चात् उक्त कालेज का विस्तार निरन्तर होता जा रहा है और इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखायें कालेज में खुलती रहीं। अन्ततः इस कालेज को 25 नवम्बर, 1949 से विश्वविद्यालय में बदल दिया गया। तब से दिनोंदिन विश्वविद्यालय का विस्तार हुआ यहां तक कि अब यह विश्वविद्यालय न केवल उत्तर प्रदेश का बल्कि सम्पूर्ण एशिया का महत्वपूर्ण प्राविधिक विश्वविद्यालय है।

2—विश्वविद्यालय में न केवल परम्परागत पाठ्यक्रम (सिविल, मेकेनिकल, इलेक्ट्रिकल) में स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर का प्रशिक्षण दिया जाता है बल्कि बहुत से आधुनिक विषय जैसे आर्कीटेक्चर, इलेक्ट्रोनिक्स तथा कम्प्यूटेशन इंजीनियरिंग, मेटेलर्जी, जियाफिजिक्स, ह्यूमैनिटीज तथा अन्तर्राष्ट्रीय हायड्रोलोजी विषयों में भी प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय में वाटर रिसोर्सेज डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर, स्कूल आफ रिसर्च एंड ट्रेनिंग इन अर्थव्हेक इंजीनियरिंग तथा पाइलट ट्रेनिंग-कम-प्रोडक्शन सेंटर भी चलाये जा रहे हैं जो कि आधुनिक युग में अपना एक स्थान रखते हैं। विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग तथा एप्लाइड साइंस के अनेक क्षेत्रों में शोध कार्य करने की समचित व्यवस्था है।

3—विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के लिये विद्यार्थी को न केवल प्रवेश परीक्षा में ही उत्तीर्ण होना आवश्यक है बल्कि उच्च कोटि के एण्ट्रीट्यूड टेस्ट एवं चिकित्सा परीक्षा में भी उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इंटरमीडिएट परीक्षा में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के अभियंत्रण पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष में सीधे प्रवेश भी दिया जाता है।

4—विभिन्न विषयों में बी 0 ई 0 4 वर्षीय पाठ्यक्रमों में प्रवेश क्षमता निम्न प्रकार है:—

विषय	प्रवेश परीक्षा से	सीधी भर्ती	योग
1—बी 0 ई 0 (सिविल)	.. 45	15	60
2—बी 0 ई 0 (इलेक्ट्रिकल)	.. 45	15	60
3—बी 0 ई 0 (मेकेनिकल)	.. 30	10	40
4—बी 0 ई 0 (इंडस्ट्रियल)	.. 15	5	20
5—बी 0 ई 0 (ई 9 एंड सी 0)	.. 26	9	35
6—बी 0 ई 0 (रासायनिक)	.. 26	9	35
7—बी 0 ई 0 (मेटेलर्जी)	.. 23	7	30
8—बी 0 ई 0 (आरकीटेक्चर)	.. 25	..	25
योग	.. 285	70	355

5—विश्वविद्यालय में कन्सल्टेंसी तथा टेस्ट वर्क भी किया जाता है। इस कार्य के लिये न केवल निजी क्षेत्र के लिये इंटरप्रिनियोरशिप प्रोग्रामों में सहायता दी जाती है, बल्कि राजकीय क्षेत्र में भी सुविधायें प्रदान की जाती हैं।

6—विश्वविद्यालय द्वारा नवम्बर, 1974 में भूकम्प इंजीनियरिंग के विषय में एक राष्ट्रीय सिम्पोजियम आयोजित किया गया। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय ने इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्प्यूटेशन विषय में एक रिसर्च तथा ट्रेनिंग सेंटर खोलने की अनुमति प्रदान की है। यह दोनों ही प्रोग्राम बड़े महत्वपूर्ण ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय महत्व के हैं तथा इस क्षेत्र में देश की आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक होंगे।

एच० बी० टी० आई०, कानपुर

हरकोर्ट बटलर टेकनोलॉजिकल इन्स्टीट्यूट, कानपुर की स्थापना इंडियन कॉन्फ्रेस की संस्तुतियों के आधार पर वर्ष 1920 में एक राजकीय संस्था के रूप में की गयी तथा वर्ष 1921 से शिक्षण कार्य आरम्भ किया गया था। तकनीकी, प्रशिक्षण, औद्योगिक अनुसंधान तथा औद्योगिक परामर्श का समिक्षण इस संस्थान की विशिष्टता रही है। उत्तर प्रदेश में तत्कालीन औद्योगिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस संस्थान में पाठ्यक्रमों तथा अनुसंधान कार्यक्रमों का समावेश किया गया तथा इस संस्थान में तेल, प्रलेप, शर्करा तथा फर्मेन्टेशन औद्योगिकी का पूर्ण रूपेण प्रशिक्षण तथा अनुसंधान की सुविधा उपलब्ध थी।

कालान्तर में प्रौद्योगिक प्रशिक्षण के अतिरिक्त अभियंत्रण (इंजीनियरिंग) के विभिन्न विषयों में डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम द्वितीय तथा तृतीय पंचवर्षीय योजना काल में चलाये गये। संस्था का सर्वांगीण विकास करने तथा इसके शिक्षण कार्य में गति लाने के लिये प्रदेश के अन्य इंजीनियरिंग संस्थान के अनुरूप इसे भी 26 मार्च, 1965 से स्वशासी संस्था के रूप में परिवर्तित कर दिया गया तथा इसका संचालन एक उच्चस्तरीय प्रशासकीय परिषद द्वारा, जिसके अध्यक्ष प्राविधिक शिक्षा मंत्री जी हैं, किया जा रहा है। वर्ष 1966-67 में चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत इस संस्थान में सिविल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम का समावेश किया गया।

सम्प्रति संस्थान में निम्नलिखित डिग्री तथा स्नातकोत्तर स्तर के 16 पाठ्यक्रम चल रहे हैं:—

पाठ्यक्रम-डिग्री स्तर (4 वर्षीय)	प्रवेश क्षमता
1—बी० एस-सी० केमिकल इंजीनियरिंग	40
2—बी० एस-सी० इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	30
3—बी० एस-सी० मेकेनिकल इंजीनियरिंग	30
4—बी० एस-सी० सिविल इंजीनियरिंग	20
योग	120

पाठ्यक्रम डिग्री स्तर (टेकनालाजी) तीन वर्षीय—

5—बी० एस-सी० बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	15
6—बी० एस-सी० आयल टेकनालाजी	15
7—बी० एस-सी० फूड टेकनालाजी	15
8—बी० एस-सी० पेन्ट्स टेकनालाजी	15
9—बी० एस-सी० प्लास्टिक टेकनालाजी	15
योग	75

पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर—

1—एम० एस-सी० केमिकल इंजीनियरिंग डिजाइन	10
2—एम० एस-सी० केमिकल इंजीनियरिंग प्रैक्टिस	10
3—एम० एस-सी० टेक्निकल (बायोकेमिकल)	5
4—एम० एस-सी० टेक्निकल (फूड)	5
5—एम० एस-सी० टेक्निकल (आयल)	5
6—एम० एस-सी० टेक्निकल (प्लास्टिक)	5
7—एम० एस-सी० टेक्निकल (पेन्ट्स)	5
योग	45

उररुंरुत पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त संस्थान के लगभग सभी शिक्षण विभागों में पी-एच०डी० अनुसंधान की भी व्यवस्था है।

संस्थान में डिग्री स्तर के इंजीनियरिंग विषयों में प्रवेश पाने के लिये वे समस्त छात्र व छात्राएँ पात्र हैं जिन्होंने भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र तथा गणित में इंटरमीडिएट की परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा पास की हो। प्रवेश केवल मेरिट (प्राप्तिक) के आधार पर ही दिया जाता है। टेकनालाजी के डिग्री स्तर के तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में बी० एस-सी० उत्तीर्ण छात्रों को प्रवेश मेरिट के आधार पर दिया जाता है। संस्थान में स्नातक स्तर के 195 छात्रों की प्रवेश क्षमता है तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में 45 छात्रों के प्रवेश हेतु प्राविधान है।

उपयुक्त इंजीनियरिंग एवम् टेकनालाजी के रेगुलर पाठ्यक्रम के अलावा वर्ष 1973-74 से संस्थान में कार्यरत स्नातक इंजीनियरों को उच्चतर प्रशिक्षण सुविधा प्रदान किये जाने हेतु सिविल, इलेक्ट्रिकल तथा मेकेनिकल इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय (अंशकालीन) स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाये गये हैं तथा इस वर्ष (1974-75) में मेकेनिकल इंजीनियरिंग में भी अंशकालीन पाठ्यक्रम चलाये जाने की स्वीकृति दी जा चुकी है। संस्थान के कम्प्यूटर प्रोग्राम का एक अल्पकालीन पाठ्यक्रम 8-10-74 से 23-10-74 तक सफलता के साथ संचालित किया गया।

इस संस्थान में औद्योगिक अनुसंधान विंग (Industrial Research Wing) के अन्तर्गत निम्नलिखित तीन अनुभाग हैं:—

- 1—अल्कोहल सेक्शन,
- 2—आयल सेक्शन, तथा
- 3—इंडस्ट्रियल केमिस्ट।

उक्त अनुभागों में प्रदेश के सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों द्वारा की गई तकनीकी पूछताछ का कार्य तथा उनके द्वारा भेजे गये अल्कोहल के नमूनों का विश्लेषण कार्य सम्पन्न किया जाता है। अल्कोहल के नमूनों की जांच के लिये बिहार तथा मध्य प्रदेश से भी प्रशिक्षण हेतु नमूने प्राप्त होते हैं। इन नमूनों के परीक्षण से संस्था को 72-73 तक 50,000 रु० के लगभग आमदनी हो जाती थी। वर्ष 1973-74 में उक्त परीक्षणों से लगभग 1.00 लाख रु० की आमदनी हुई है। संस्थान ने कन्सलटेंसी वर्क करके काफी ख्याति प्राप्त की है। आलोच्य वर्ष में संस्था द्वारा मेसर्स क्वालिटी स्टील द्यून्स, कानपुर; जी०एस०वी०एम० मेडिकल कालेज, कानपुर; जे०के० सिन्थेटिक्स सेटेक्स द्यून्स इत्यादि के लिये किये गये कार्य उल्लेखनीय हैं।

डी०ई०आई० इंजीनियरिंग कालेज, दयालबाग, आगरा

डी०ई०आई० इंजीनियरिंग कालेज, दयालबाग, आगरा की स्थापना वर्ष 1950 में अखिल भारतीय प्राविधिक शिक्षा परिषद् की संस्तुति पर भारत सरकार की वित्तीय सहायता के आधार पर की गई थी। यह कालेज विद्युत एवं यांत्रिक अभियंत्रण में डिग्री स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करता है तथा इसकी प्रवेश क्षमता 60 विद्यार्थी है। यह राधास्वामी सम्प्रदाय वालों का निजी कालेज है।

वर्ष 1972-73 तक इस कालेज के व्यय को भारत सरकार, राज्य सरकार तथा कालेज की प्रबंध समिति द्वारा क्रमशः 2/3, 1/6 तथा 1/6 के अनुपात में वहन किया जाता रहा है। परन्तु भारत सरकार के अनुरोध पर वर्ष 1973-74 की नई मांगों के माध्यम से भारत सरकार के उक्त अंश को राज्य सरकार द्वारा वहन करने का निर्णय लिया गया। अतः उक्त निर्णय के अनुसार विद्यार्थियों से फीस के रूप में होने वाली आय को समायोजित करने के बाद शुद्ध व्यय में कालेज की प्रबंध समिति के 1/6 भाग के अंशदान को छोड़कर शेष समस्त व्यय राज्य सरकार द्वारा आयोजनेतर आय-व्ययक के माध्यम से वहन किया जा रहा है।

पांचवीं पंचवर्षीय योजनाविधि में इस कालेज के कर्मचारियों आदि के वेतनमानों तथा साज-सज्जा आदि क्रय करने हेतु 12.10 लाख रुपये का प्राविधान किया गया है। चूंकि एक प्राइवेट कालेज होने के कारण इस कालेज के कर्मचारियों के वेतनमानों के पुनरीक्षण के संबंध में उत्तर प्रदेश वेतन आयोग ने कोई संस्तुति नहीं की थी, अतः इस कालेज के कर्मचारियों के वेतन पुनरीक्षण 1 अप्रैल, 1974 से करने का निर्णय लिया गया है।

मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद

मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद, भारत के उन 15 रीजनल कालेजों में से एक है, जो अखिल भारतीय प्राविधिक शिक्षा परिषद् की संस्तुति पर वर्ष 1961 में भारत सरकार एवं राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से स्थापित किया गया। राज्य सरकार ने कालेज को स्थापित किये

जाने हेतु लगभग 210 एकड़ भूमि दी है तथा उसके विकास पर होने वाला समस्त व्यय वहन किया है। भारत सरकार ने समस्त अनावर्तक व्यय वहन किया है। वार्षिक आवर्तक व्यय का 50 प्रतिशत भार भारत सरकार द्वारा तथा शेष राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। इस कालेज को एक स्वशासी संस्था के रूप में स्थापित किया गया है जो सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत है। कालेज का दैनिक प्रशासन एक 17 सदस्यीय प्रशासकीय परिषद् द्वारा चलाया जाता है, जिसके अध्यक्ष राज्य सरकार के प्राविधिक शिक्षा मंत्री हैं।

कालेज में परम्परागत उद्योग आधारित पाठ्यक्रम चलाये जाते हैं, जिनमें छात्रों को सिविल, मेकेनिकल, इलेक्ट्रिकल पाठ्यक्रम में स्नातक स्तर का प्रशिक्षण तथा एप्लाइड मेकेनिकस, एप्लाइड मेकेनिकल इंजीनियरिंग, एप्लाइड सिविल इंजीनियरिंग तथा एप्लाइड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर स्तर का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अतिरिक्त धार्यरत स्नातक इंजीनियरों के लिये अंशकालिक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तथा स्नातक स्तर पर 4 1/2 वर्षीय इन्डस्ट्री ओरिएण्टेड पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है। इन्डस्ट्री ओरिएण्टेड पाठ्यक्रम इंजीनियरों की बेरोजगारी देखकर चलाये जा रहे हैं जिसके अन्तर्गत छात्रों को विशिष्ट प्रकार के उद्योगों में शिक्षा दी जाती है जिससे वे स्वतः रोजगार लगा सकें। उनकी कठिनाइयों को दूर करने के लिये प्राविधिक सलाह भी दी जाती है। उद्योग स्थापित करने के लिये उद्योग विभाग के सहयोग से एक औद्योगिक अस्थान भी कालेज कैम्पस में बनाया गया है।

कालेज में प्रवेश मेरिट के आधार पर दिया जाता है जो प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर निर्धारित किया जाता है। स्नातक कक्षाओं में 200 विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता है। स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रत्येक विषय में प्रवेश क्षमता 10 विद्यार्थी है।

कालेज शिक्षकों द्वारा कन्सल्टेन्सी कार्य भी किया जाता है, जिसके अन्तर्गत उद्योगपतियों को उनके लिये प्रोजेक्ट रिपोर्ट तथा तकनीकी सलाह दी जाती है। मुख्य रूप से कालेज में भारत पम्पस एण्ड कम्प्रेसर्स लि०, नैनी, इलाहाबाद; त्रिवेनी स्ट्रक्चरल लि०, नैनी; त्रिवेनी इंजीनियरिंग वर्क्स लि०, नैनी; इंडियन टेलीफोन इन्डस्ट्रीज लि० नैनी; जीप पलेशलाइट इन्डस्ट्रीज लि० आदि कम्पनियों के कन्सल्टेन्सी के साथ साथ टेस्ट वर्क भी किये जाते हैं। सिविल इंजीनियरिंग विभाग में निजी क्षेत्र के अतिरिक्त राज्य सरकार के सिंचाई, सार्वजनिक निर्माण तथा हाउसिंग विभागों के लिये भी विभिन्न कार्य सम्पन्न किये जाते हैं। इसी प्रकार इस्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग विभाग एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागों ने भी कई प्रोजेक्टों पर कार्य किया है।

कालेज ने इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज, नैनी तथा यू० पी० इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन के सहयोग से 15 तथा 16 नवम्बर, 1974 को इंटरनेशनल सिम्पोजियम आन डिजिटल कम्प्यूटेशन आयोजित किया।

मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर

प्रदेश में प्रशिक्षित इंजीनियरों की कमी को दूर करने के लिये तृतीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत शासन द्वारा वर्ष 1962 में मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर की स्थापना की गई। कालेज की विकास की गति में तीव्रता लाने हेतु कालेज को एक स्वशासी संस्था के रूप में परिवर्तित कर दिया गया जो सोसाइटी रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत है। इसका दैनिक प्रशासन एक प्रशासकीय परिषद् द्वारा किया जाता है जिसके अध्यक्ष राज्य के प्राविधिक शिक्षा मंत्री हैं। कालेज का समस्त व्यय शासन द्वारा वहन किया जाता है। यह कालेज सिविल, इलेक्ट्रिकल, मेकेनिकल इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्रदान करता है तथा इसकी कुल प्रवेश क्षमता 140 है। इस कालेज में प्रवेश इंटरमीडिएट साइंस, गणित के साथ, में प्राप्त अंकों के आधार पर योग्यता अनुसार किया जाता है।

कालेज की अपनी एक विशेषता यह है कि इसके पास 200 एकड़ का अपना एक कृषि फार्म है। फार्म की उपज को बाजार में विक्रय करने के साथ-साथ कालेज अपने कर्मचारियों की खाद्य संबंधी आवश्यकताओं की भी पूर्ति करती है। फलस्वरूप अभियंत्रण विषयों में प्रशिक्षण के साथ-साथ कालेज द्वारा देश की विकट खाद्य समस्या को सुलझाने में भी अंशदान दिया जा रहा है।

प्रदेश के पूर्वी जिलों में अभियंत्रण में उच्चतर शिक्षा प्रदान करने की दृष्टि से कालेज द्वारा इलेक्ट्रिकल एवं सिविल अभियंत्रण में तीन वर्षीय अंशकालिक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है जो कि उपयोगी पाया गया है। आलोच्य वर्ष में इस कालेज में उत्पादन केन्द्र स्थापित करने की एक योजना स्वीकार की गई है। यह केन्द्र एक स्वतंत्र इकाई के रूप में कार्य करेगा।

पन्त कालेज आफ टेक्नालाजी, पन्तनगर, नैनीताल

पंत कालेज आफ टेक्नालाजी को गोबिन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर, जिला नैनीताल के एक अभिन्न अंग के रूप में गोबिन्द बल्लभ पंत मेमोरियल सोसाइटी के सहयोग से वर्ष 1966-67 में स्थापित किया गया था। यह विद्यालय पूर्ण रूप से आवासीय संस्था है तथा सिविल, इलेक्ट्रिकल एवं मेकेनिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में स्नातक स्तर का तथा सिविल इंजीनियरिंग के अन्तर्गत स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्रदान करता है। एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग को शामिल करते हुये इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में कुल प्रवेश क्षमता 150 छात्रों की है।

इस विद्यालय की विशेषता यह है कि यह छात्रों के बहुमुखी विकास पर विशेष बल देता है। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु कालेज द्वारा आवश्यक सुविधायें उपलब्ध की जाती हैं। इस कालेज की दूसरी विशेषता यह है कि "अनै ह्वाइल यू लर्न" कार्यक्रम की सुविधा प्रदान करता है। इस कार्यक्रम का ध्येय है कि विद्यार्थियों को स्वतः निर्भर तथा स्वतः पूर्ण बनाये जाने का प्रयास किया जा सके ताकि प्रशिक्षण की अवधि समाप्त करने के बाद उन्हें अपनी जीविका उपार्जन के लिये अन्य पर निर्भर होने की आवश्यकता न रहे।

डिप्लोमा संस्थायें

डिप्लोमा स्तर पर नई बहुधंधी संस्थाएँ, बरेली, झांसी, खुर्जा, चन्दौली, हंडिया, नैनीताल, हाथरस में स्थापित की गईं। इनके अतिरिक्त इलाहाबाद में नादनें रीजनल इंस्टीट्यूट आफ प्रिन्टिंग टेक्नालाजी की स्थापना हुई।

वर्ष 1959-60 में दौराला, जौनपुर, गाजीपुर, इलाहाबाद तथा झांसी में माध्यमिक तकनीकी विद्यालय स्थापित किये गये।

तृतीय पंचवर्षीय योजना में स्वीडिस सरकार की सहायता से स्कूल आफ पेपर टेक्नालाजी की स्थापना सहरनपुर में की गई। छात्राओं को तकनीकी शिक्षा प्रदान करने हेतु लखनऊ में एक महिला बहुधंधी संस्था की स्थापना की गई। चर्म उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिये भागरा में एक लेंडर इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई। इसी अवधि में मिर्जापुर, फैजाबाद, कानपुर, बस्ती और आजमगढ़ में नयी बहुधंधी संस्थायें स्थापित की गईं तथा आजमगढ़, बरेली, गोण्डा, मिर्जापुर, मुरादाबाद, लखनऊ, फैजाबाद और गोरखपुर में आठ नये माध्यमिक तकनीकी विद्यालय स्थापित किये गये।

वर्ष 1968-69 में श्रीनगर (गढ़वाल) में बहुधंधी संस्था की स्थापना की गई।

इस प्रकार चौथी पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ होने के समय प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत 7 डिग्री स्तर की संस्थायें, 13 राजकीय बहुधंधी संस्थायें, 15 सहायता प्राप्त बहुधंधी संस्थायें, 13 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय तथा 6 विशिष्ट प्रशिक्षण देने वाली संस्थायें हो गयीं, (परिशिष्ट-1) जिनमें केन्द्रीय वस्त्रोद्योग संस्थान, कानपुर एवं कागज प्रौद्योगिकी संस्थान, सहरनपुर विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

प्राथमिक शिक्षा में औद्योगिकरण--

पंचवर्षीय योजनाओं के समय में उद्योग एवं निर्माण-कार्यों का विकास उस गति से नहीं हुआ जैसा कि अनुमानित था। इस कारण डिग्री तथा डिप्लोमा प्राप्त छात्रों में कुछ बेरोजगारी आ गयी। इन बातों को दृष्टिकोण में रखते हुये शासन ने चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में परंपरागत पाठ्यक्रमों की प्रवेश क्षमता में वृद्धि न करने की नीति अपनायी। चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में मुख्य बल डाइवर्सिफाइड पाठ्यक्रमों पर कर दिया गया। सिंचाई एवं विद्युत् की योजनायें, सड़कों के निर्माण तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग के अन्य निर्माण-कार्य के अतिरिक्त यांत्रिक यातायात में भारी तथा हल्की गाड़ियों के उपयोग के कारण डीजल तथा पेट्रोल इंजनों तथा मोटर गाड़ियों का इस्तेमाल दिन प्रति दिन बढ़ रहा है जिसके लिये आटोमोबाइल इंजीनियरिंग के कुशल टेक्नीशियनों की आवश्यकता है। इसी प्रकार से रेलवे, खाद्य उद्योग, एयर कंडीशन तथा रेफ्रिजरेशनिंग की कार्यशालायें इत्यादि की एयर कंडीशनिंग रेफ्रिजरेशन के तकनीशियनों की आवश्यकता है। रेडियो ट्रांजिस्टर तथा टेलीविजन का उपयोग दिन प्रति दिन बढ़ने के कारण लेक्ट्रॉनिक्स में प्रशिक्षित कारीगरों की आवश्यकता बढ़ गई है। इसके अतिरिक्त एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, हाई-वे इंजीनियरिंग, टाउन प्लानिंग इत्यादि में भी शिक्षणों की आवश्यकता चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में अनुभव की गयी। वर्ष 1969-70 से 1972-73 तक निम्नलिखित डाइवर्सिफाइड पाठ्यक्रम विभिन्न संस्थाओं में चालू किये गये हैं।

1969-70

- 1--एयर कंडीशनिंग एवं रेफ्रिजेशन में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम, एम० जी० पालीटेकनिक, हाथरस (प्रवेश क्षमता-10)।
- 2--इंस्ट्रुमेंटल इलेक्ट्रॉनिक्स में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा, पाठ्यक्रम इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद (प्रवेश क्षमता-10)।
- 3--आटोमोबाइल इंजीनियरिंग में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम, राजकीय बहुधंधी संस्था, लखनऊ (प्रवेश क्षमता-10) (बाद में यह पाठ्यक्रम बन्द कर दिया गया।)

1970-71

- 1--डिजाइन एवं ड्राफ्टिंग में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद (प्रवेश क्षमता-10)।
- 2--संडविच पद्धति पर चार वर्षीय केमिकल आपरेटर्स पाठ्यक्रम, राजकीय पालीटेकनिक, गोरखपुर (प्रवेश क्षमता-10)।
- 3--तीन वर्षीय इलेक्ट्रॉनिक्स में डिप्लोमा पाठ्यक्रम, इलाहाबाद (प्रवेश क्षमता-30)।
- 4--इंस्ट्रुमेंट टेकनालाजी में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम, राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर (प्रवेश क्षमता-10)।
- 5--आटोमोबाइल इंजीनियरिंग में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम, पी० एम० वी० पालीटेकनिक, मथुरा (प्रवेश क्षमता-10) (बाद में यह पाठ्यक्रम बन्द कर दिया गया।)

1971-72

- 1--तीन वर्षीय इलेक्ट्रॉनिक्स डिप्लोमा पाठ्यक्रम, राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर; के० एल० पालीटेकनिक, हड़की तथा लखनऊ पालीटेकनिक, लखनऊ (प्रवेश क्षमता-30 प्रति संस्था)।
- 2--तीन वर्षीय डिप्लोमा इन आटोमोबाइल इंजीनियरिंग, राजकीय बहुधंधी संस्था, लखनऊ गोरखपुर, बरेली, झांसी (प्रवेश क्षमता-30 प्रति संस्था)।

3—एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा रेफ्रिजरेशन एयर कंडीशनिंग, इलाहाबाद बहुधंधी संस्था, इलाहाबाद (प्रवेश क्षमता-10)।

4—एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा इन फाउन्ड्री टेक्नालाजी, राजकीय बहुधंधी संस्था, मुरादाबाद (प्रवेश क्षमता-10)।

1972-73

1—तीन वर्षीय आटोमोबाइल इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम, पी 0 एम 0 बी 0 पालीटेक्निक मथुरा (प्रवेश क्षमता-30)।

2—तीन वर्षीय सिरेमिक टेक्नालाजी पाठ्यक्रम, सेठ गंगासागर जटिया पालीटेक्निक, खुर्जा (प्रवेश क्षमता-30)।

3—कास्ट्यूस डिजाइन तथा ड्रेस मॉकिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम, राजकीय महिला बहुधंधी संस्था, लखनऊ (प्रवेश क्षमता-30)।

1973-74 इलाहाबाद बहुधंधी संस्था, इलाहाबाद—

	प्रवेश क्षमता
1—3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, आटोमोबाइल, इंजीनियरिंग ..	30
2—2 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, कार्मशियल प्रैक्टिस ..	30
3—3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, प्रोडक्शन इंजीनियरिंग ..	30
4—3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, कन्स्ट्रक्शन, टेक्नालाजी ..	30
5—3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, इंस्ट्रुमेंटेशन तथा कंट्रोल ..	30
(1) एम 0 जी 0 पालीटेक्निक, हाथरस में 1 वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम, इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स	10
(2) चन्दौली पालीटेक्निक, चन्दौली में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, कृषि, अभियंत्रण	30
(3) राजकीय बहुधंधी संस्था, गोरखपुर में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग	10
(4) राजकीय बहुधंधी संस्था, मिर्जापुर में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम, इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग	10

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में 889-00 लाख रु 0 की धनराशि उपलब्ध थी जिसमें वास्तविक व्यय 699-234 लाख रु 0 निम्न प्रकार से हुआ :—

क्रमांक	वर्ष	परिचय	वास्तविक व्यय (लाख रु 0 में)
1	1969-70	180-000	152-213
2	1970-71	170-000	131-286
3	1971-72	182-350	130-006
4	1972-73	180-000	144-529
5	1973-74	175-000	141-200
योग ..			699-234

1974-75

वर्ष 1974-75 में डिग्री स्तर पर प्रवेश क्षमता 1090 रही (परिशिष्ट-2) जिसमें कृषि अभियंत्रण की 45 शीटें सम्मिलित हैं। डिग्री स्तर पर कोई नया पाठ्यक्रम प्रारम्भ नहीं किया गया तथा चालू वर्ष में बजट के अन्तर्गत जो योजनाएँ पहले से चल रही हैं उनको पूरा करने हेतु फकल्टी विकास तथा स्टाफ क्वार्टर्स पर ध्यान दिया गया।

डिप्लोमा स्तर पर तृतीय पंचवर्षीय योजना की अधूरी योजनाओं को पूरा करने के अतिरिक्त नये पाठ्यक्रमों के लिये प्राविधान किया गया है। इसके अतिरिक्त परम्परागत पाठ्यक्रमों को अधिक उपयोगी बनाने के लिये उसमें इलेक्ट्रिक्स विषयों का समावेश किया गया है जिसके लिये अतिरिक्त साज सज्जा का भी प्राविधान किया गया है। वर्ष 1974-75 में निम्न लिखित नये डाइवर्सिफाइड पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये :-

1--आटोमोबाइल इंजीनियरिंग के तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, राजकीय पालीटेक्निक, श्रीनगर (गढ़वाल) टाउन पालीटेक्निक, बलिया, गांधी, पालीटेक्निक, मुजफ्फरनगर (प्रवेश क्षमता, 30 प्रति संस्था)।

2--इलेक्ट्रानिक्स में तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, नंतीताल, पालीटेक्निक नंतीताल (प्रवेश क्षमता-30)।

3--पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, इलाहाबाद पालीटेक्निक इलाहाबाद (प्रवेश क्षमता-30)।

4--टूल इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद (प्रवेश क्षमता-30)।

5--लॉस्टिक टेक्नालाजी में तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम इलाहाबाद पालीटेक्निक इलाहाबाद (प्रवेश क्षमता-30)।

प्राविधिक शिक्षा ऋण की योजना

वर्ष 1950-51 में प्राविधिक शिक्षा ऋण की एक योजना प्रारम्भ की गई जिसके अन्तर्गत प्राविधिक तथा वैज्ञानिक अध्ययन हेतु विद्यार्थियों को 1 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर पर प्राविधिक शिक्षा ऋण स्वीकृत किया जाता था। इस योजना से गरीब तथा योग्य छात्रों को प्राविधिक शिक्षा के प्राप्त करने में काफी सुविधा मिली। ऋण पर ब्याज की दर अब 5 प्रतिशत कर दी गयी है और इस समय देश में अध्ययन हेतु 7,000 रुपये की धनराशि तक और विदेशों में अध्ययन हेतु 15,000 रुपये की धनराशि तक स्वीकृत हो सकती है। चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में इस योजना के अन्तर्गत वर्षवार प्राविधान तथा वितरित धनराशि नीचे दी गयी है :-

वर्ष	प्राविधान		व्यय	छात्रों की संख्या
	लाख	लाख		
1969-70	25-00	24-00	1526	
1970-71	25-00	14-00	644	
1971-72	20-00	11-00	1171	
1972-73	13-00	12-997	365	
1973-74	13-00	12-998	533	
1974-75	13-00	अभी नहीं बताया जा सकता	..	

प्राविधिक शिक्षा के लिये निर्धारित ऋण का मापदण्ड निम्न प्रकार है :—

कोर्स	अभिभावक की मासिक आय की सीमा		
	₹ 0 100 तक	₹ 0 101 से 200 तक	₹ 0 200 से ऊपर तक
	1	2	3
1—पोस्ट ग्रेजुएट और रिसर्च कोर्स	2,000	1,800	1,500
2—डिग्री कोर्स	1,400	1,200	1,000
3—डिप्लोमा कोर्स	1,200	1,000	800

आवास गृहों का निर्माण

संस्थाओं में कर्मचारियों के लिये आवास गृहों की कमी महसूस की गई जो संस्थायें शहर से बाहर या छोटे स्थान में हैं वहाँ के कर्मचारी अक्सर आवास की कठिनाई महसूस करते हैं। अतः आवास गृहों के लिये प्राविधान किया गया। साथ ही साथ छात्रों की सुविधा जैसे कैंटीन, डिस्पेन्सरी, एन 0 सी 0 सी 0 ब्लॉक, वाटर कूलर, साइकिल स्टैंड इत्यादि की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केन्द्रों की स्थापना

संस्थाओं में प्रशिक्षण को उद्योग आधारित तथा अधिक उपयोगी बनाने हेतु इलाहाबाद बहुधंधी संस्था, इलाहाबाद में वर्ष 1971-72 से ही एक ट्रेनिंग कम प्रोडक्शन सेन्टर स्थापित किया गया उसके लिये 2.00 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई। इस योजना के अन्तर्गत संस्था द्वारा पावर श्रेसर बनाये जा रहे हैं। ऐसा ही एक सेन्टर वर्ष 1972-73 में चन्दौली पाली टेक्निक, चन्दौली तथा नैनीताल पाली टेक्निक, नैनीताल में स्थापित किये गये हैं। ऐसे ही ट्रेनिंग कम प्रोडक्शन सेन्टर निम्न संस्थाओं में भी वर्ष 1974-75 से प्रारम्भ कर दिये गये हैं।

- 1—राजकीय पाली टेक्निक, लखनऊ।
- 2—राजकीय पाली टेक्निक, श्रीनगर (गढ़वाल)।
- 3—राजकीय पाली टेक्निक, कानपुर।
- 4—राजकीय पाली टेक्निक, आजमगढ़।
- 5—राजकीय पाली टेक्निक, फैजाबाद।
- 6—एम 0 पी 0 पाली टेक्निक, गोरखपुर।
- 7—एन 0 आर 0 इन्स्टीट्यूट आफ प्रिंटिंग टेकनालोजी, इलाहाबाद।
- 8—राजकीय केन्द्रीय वस्त्रोद्योग संस्थान, कानपुर।
- 9—राजकीय चर्म संस्था, कानपुर।
- 10—राजकीय महिला बहुधंधी संस्था, लखनऊ।

पिछड़े हुए क्षेत्रों की प्रगति तथा भौतिक लक्ष्यों की उपलब्धि

प्राविधिक शिक्षा की योजनाओं के लिये पिछड़े जिलों में चल रही संस्थाओं के लिए विशेष योजनाओं के अन्तर्गत अलग से धनराशि स्वीकृत नहीं की गई थी। तथा समस्त व्यय प्राविधिक शिक्षा की योजनाओं के परिव्यय से वहन किया गया।

पिछड़े क्षेत्रों में व्यय की स्थिति निम्न प्रकार रही है:--

वर्ष	15 पूर्वी जिले		बुन्देलखंड		पर्वतीय जिले	
	परिव्यय	व्यय	परिव्यय	व्यय	परिव्यय	व्यय
1970-71	..	8-689	..	0-561	..	5-175
1971-72	13-103	9-701	0-683	0-602	10-222	3-558
1972-73	31-053	20-537	4-203	0-769	7-350	3-493
1973-74	50-327	49-010	5-130	0-719	24-535	22-248
1974-75	63-657	50-686	4-104	0-253	15-988	13-958

व्यय में कमी का मुख्य कारण पदों का रिक्त रहना, साज सज्जा का उपलब्धन होना है। पूर्वी क्षेत्र में अनुदानित बहुधंधी संस्थाओं को उनके पास गत वर्षों के अनुपयोजित धनराशि होने के कारण प्राविधान से कम अनुदान दिया गया।

डू इट योर सेल्फ प्रदर्शनी

वर्ष 1973-74 में दिनांक 28, 29, 30 तथा 31 दिसम्बर, 1974 को डू इट योर सेल्फ प्रदर्शनी का आयोजन लखनऊ में किया गया जिसमें निम्न संस्थाओं ने भाग लिया था--

- 1--लखनऊ पालीटेक्निक, लखनऊ।
- 2--हीबेट पालीटेक्निक, लखनऊ।
- 3--राजकीय पालीटेक्निक, (महिला), लखनऊ।
- 4--राजकीय पालीटेक्निक, कानपुर।
- 5--इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद।

इस प्रदर्शनी में संस्थाओं द्वारा निर्मित माडल तथा उत्पादन युक्त प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा निर्मित चार्ट आदि प्रस्तुत किये गये। यह प्रदर्शनी बहुत सफल रही।

औद्योगिक सम्पर्क परिषद्

उद्योगों से सम्पर्क स्थापित करने एवं छात्रों के रोजगार की समस्या को हल करने तथा उद्योगों की आवश्यकताओं का अध्ययन करके पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रमों में संशोधन की संस्तुति हेतु औद्योगिक सम्पर्क परिषद् की स्थापना प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत की गई है। मुख्य मंत्री परिषद् के अध्यक्ष हैं तथा प्राविधिक शिक्षा निदेशक, सदस्य सचिव हैं। परिषद् की प्रथम बैठक, 2-8-73 को राज्यपाल के मुख्य सलाहकार की अध्यक्षता में हुई जिसमें उद्योगों तथा संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

पावर रिक्शा का निर्माण

इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद द्वारा एक स्वचालित रिक्शा का निर्माण किया गया जिसकी लागत बहुत कम होने के साथ साथ उस पर औसत खर्च भी कम है।
सेमिनार

(1) 15 तथा 16 मार्च, 1974 को राजकीय बहुधंधी संस्था, कानपुर में Reorientation of Technical Education towards of rapid Industrialisation of Diversified courses विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श हुये जिनमें निम्नलिखित विशेषकर उल्लेखनीय हैं—

1. Industrial Participation.
2. Technicians Training
3. Production—cum—Trg. Centres in Polytechnics.
4. Introduction of Diversified Courses,

(2) 22-12-74 से 31-12-74 तक इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद के प्रांगण में "टेक्नो-74" प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें संस्थाओं में छात्रों द्वारा निमित्त सामग्री एवं उपकरणों का प्रदर्शन भी किया गया इसके अतिरिक्त इस प्रदर्शनी में प्रदेश के तथा देश के कई राजकीय विभागों ने एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों ने भी भाग लिया। यह प्रदर्शनी निदेशालय प्राविधिक शिक्षा द्वारा आयोजित इस प्रकार की पहली प्रदर्शनी थी जो अत्यन्त सफल सिद्ध हुई।

प्रदर्शनी के साथ ही साथ "Towards a new strategy of vocationalised Education for eradication of poverty and unemployment."

पर अखिल भारतीय सिम्पोजियम का भी आयोजन दिनांक 29-12-74 एवं 30-12-74 को किया गया जिसमें प्रदेश के तथा देश के कई विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

(3) फरवरी, 1975 में सेठ गंगासागर जाटिया पालीटेक्निक, खुर्जा में All India Seminar on whiteware pottery Industry विषय पर सेमिनार आयोजित करने का भी प्रस्ताव है।
सेन्डविच पाठ्यक्रमों को चलाना एवं ग्रन्थ सहकारी योजनायें

उद्योगों से घनिष्ठ सम्पर्क स्थापित करने के उद्देश्य से केमिकल उद्योगों के लिये तकनीकियों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु फर्टीलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया को गोरखपुर यूनिट के सहयोग से राजकीय बहुधंधी संस्था, गोरखपुर में एक 4 वर्षीय केमिकल आपरेटर पाठ्यक्रम वर्ष 1970-71 से चलाया गया है।

मुणात्मक सुधार की योजनाओं के अन्तर्गत अध्यापकों के प्रशिक्षण की एक योजना टीचर्स ट्रेनिंग, इन्स्टीट्यूट चण्डीगढ़ में चल रही है जिसमें इस प्रदेश के भी बहुधंधी संस्था के अध्यापक प्रशिक्षण पाते हैं। इस योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष दीर्घकालीन प्रशिक्षण में 28 अध्यापक उत्तर प्रदेश से पोषित किये जा सकते हैं। अब तक पोषित अध्यापकों की संख्या निम्न प्रकार है:—

1967-68	10
1968-69	15
1969-70	19
1970-71	13
1971-72	12
1972-73	29
1973-74	28
1974-75	5

इसके अतिरिक्त ग्रीष्म पाठशाला की योजना के अन्तर्गत अध्यापकों को इलाहाबाद पालीटेक्निक इलाहाबाद एवं टीचर्स ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट चण्डीगढ़ जहां यह योजनायें चल रही हैं, प्रेषित किया जाता है। इन के प्रशिक्षण पर कोई व्यय राज्य सरकार वहन नहीं करती है।

भौतिक लक्ष्यों की उपलब्धि

विभिन्न क्षेत्र में भौतिक उपलब्धि का व्योरा निम्न प्रकार है:--

डिप्लोमा संस्थायें :--

मव इकाई	1969-70	70-71	71-72	72-73	73-74	74-75
(क) संस्थाओं की संख्या	34	34	34	34	34	34
(ख) स्वीकृत प्रवेश क्षमता	5530	5530	5990	6160	6550	6530
(ग) उत्तीर्ण संख्या	3766	3400	3300	3300	3500	अनु- उपलब्ध

पालीटेक्निक एवं माध्यमिक प्राविधिक शिक्षा का पुनर्गठन

पालीटेक्निक एवं माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों के लिये नवीन तकनीकी पाठ्यक्रमों पर विचार करने हेतु दिनांक 22-9-74 को इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद में निदेशक प्राविधिक शिक्षा की अध्यक्षता में एक बैठक हुई जिसमें विभिन्न संस्थाओं के प्रधानाचार्यों तथा निदेशालय के अधिकारियों ने भाग लिया। सभी सदस्यों का मत था कि अभी तक चल रहे पाठ्यक्रमों में जो केवल विज्ञान और गणित के छात्रों के लिये ही उपलब्ध हैं, कुछ नवीनता होनी चाहिये और उनका दायरा बढ़ाकर ऐसे नवीन पाठ्यक्रम लाये जाय जो विज्ञान और गणित के अतिरिक्त आर्ट्स व कामर्स के छात्रों के लिये उपलब्ध हों। इनसे औद्योगिकरण की वर्तमान धारा तथा प्राविधिक शिक्षा के साथ इसके समन्वय हेतु योगदान प्राप्त हो सकेगा। समिति ने निम्नलिखित पाठ्यक्रमों को विभिन्न संस्थाओं में प्रारम्भ करने की संस्तुति की।

- 1--पेन्टीनेंस आफ आफिस इक्विपमेंट ।
- 2--इन्ट्रूमेन्टेशन ।
- 3--इन्सपेक्शन ऐण्ड क्वालिटी कंट्रोल ।
- 4--मैटीरियल मैनेजमेंट ।
- 5--इन्सपेक्शन ऐण्ड क्वालिटी कंट्रोल (इलेक्ट्रिक) ।
- 6--मेटालर्जी ।
- 7--परचेज असिस्टेंट/जनरल आफिस असिस्टेंट/फैक्ट्री रेकार्ड मेन्टेनेंस/स्टोर कीपिंग/एकाउन्ट्स असिस्टेंट ।
- 8--बिजनेस लाज ऐण्ड टैक्सेशन/मार्केटिंग ।
- 9--इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट ।
- 10--मैनेजमेंट ।
- 11--आफिस मैनेजमेंट ।
- 12--स्टेनोग्राफी ऐण्ड टाइपिंग ।
- 13--रिसेप्शनरि ।
- 14--कामर्शियल आर्ट्स ऐण्ड एडवर्टाइजिंग ।
- 15--इन्टीरियर डिकोरेशन ।

भौतिक प्रगति

वर्ष 1974-75 में डिग्री स्तर पर स्वीकृत प्रवेश क्षमता 1,090 है तथा डिप्लोमा स्तर पर स्वीकृत प्रवेश क्षमता 6,530 है। सम्पूर्ण संस्थाओं में प्रवेश क्षमता से अधिक प्रवेश हुए हैं।

वर्ष 1972-73 में राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय जिनको बन्द कर दिया गया था जौनपुर के अतिरिक्त 12 विद्यालय पुनः चालू कर दिये गये हैं। इन संस्थाओं में भी प्रवेश की स्थिति सन्तोषजनक है।

छात्रों को आर्थिक सहायता

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत चल रहे सम्पूर्ण संस्थाओं में 15 प्रतिशत छात्रों को पूर्ण शुल्क 30 प्रतिशत छात्रों को अर्धशुल्क मुक्त करने की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक संस्था में 104 छात्रों को 25 रुपये प्रतिमाह छात्र-वृत्ति देने का भी प्राविधान है।

वर्ष 1975-76 के लिये 111.00 लाख रुपये का परियोजना निर्धारित किया गया है जिसमें 38 लाख रुपये का प्राविधान डिग्री संस्थाओं के लिये तथा 73.00 लाख रुपये का प्राविधान डिप्लोमा संस्थाओं के लिये रखा गया है।

वर्ष 1975-76 में शासन द्वारा निम्नलिखित योजनाओं को चलाने का प्रस्ताव है:—

योजना का नाम	प्रवेश क्षमता	संस्था का नाम
वेस्ट बुक उत्पादन सेल की स्थापना		प्राविधिक शिक्षा निदेशालय, उ० प्र०, कानपुर
(1) रेफ्रीजरेशन तथा एयर कण्डिशनिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	30	एम० जी० पालीटेकनिक, हाथरस
1—मेंटेरियल मैनेजमेन्ट ..	20	इलाहाबाद बहुबन्धी संस्था, इलाहाबाद
2—सेल्समैनशिप ..	20	तदेव
3—रेफ्रीजरेशन तथा एयर कण्डिशनिंग ..	30	तदेव
4—ट्यूबवेल इंजीनियरिंग ..	30	तदेव
5—प्रोडक्शन आफ टीचिंग एंड		तदेव
1—एडवर्टीजमेन्ट एण्ड डिस्प्ले में एक वर्षीय प्रमाण-पत्र स्तर के पाठ्यक्रम	20	उत्तरक्षेत्रीय मूद्रण प्रौद्योगिक विद्यालय इलाहाबाद
2—टाइप फाउन्ड्री में एक वर्षीय प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	20	तदेव
3—फोटोग्राफी में अंशकालिक पाठ्यक्रम ..	20	तदेव
(1) एडवर्टीजमेन्ट एण्ड डिस्प्ले पाठ्यक्रम	30	राजकीय महिला पालीटेकनिक, लखनऊ
(2) होम साइन्स पाठ्यक्रम ..	30	तदेव
(3) टेलरिंग एवं कटिंग ..	20	तदेव
(1) कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग पाठ्यक्रम ..	10	राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर
(2) सेल्समैनशिप ..	10	तदेव]
(1) प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केन्द्र ..		राजकीय वस्त्रोद्योग संस्थान, कानपुर तथा राजकीय चर्मकला संस्था, कानपुर

योजना का नाम	प्रवेश क्षमता	संस्था का नाम
(2) इण्डस्ट्रियल मैनेजमेन्ट पाठ्यक्रम में अंश-कालीन पाठ्यक्रम	20	राजकीय केन्द्रीय वस्त्रोद्योग संस्था, कानपुर
(1) टाइपराइटर मेकेनिक पाठ्यक्रम	.. 10	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, लखनऊ
(2) पम्प मेकेनिक पाठ्यक्रम	.. 10	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, इलाहाबाद
(3) आटोमेकेनिक पाठ्यक्रम	.. 10	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, लखनऊ, झांसी, इलाहाबाद एवं धरौली,
(4) प्लम्बिंग पाठ्यक्रम	.. 10	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, लखनऊ, गोरखपुर, धरौली, झांसी, मिर्जापुर, भाजमगढ़, मुरादाबाद, गाजीपुर, दौराला, इलाहाबाद गोण्डा एवं फैजाबाद
(5) टेलरिंग एवं कटिंग पाठ्यक्रम	.. 10	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, मिर्जापुर, इलाहाबाद और आजमगढ़
(6) फार्म मेकेनिक पाठ्यक्रम	.. 10	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, दौराला
(7) रेफ्रिजरेगन मेकेनिक पाठ्यक्रम	.. 10	राजकीय पालीटेक्निक, कानपुर, धरौली, गोरखपुर तथा एम० जी० पालीटेक्निक, हाथरस

परिशिष्ट 1

उत्तर प्रदेश में प्राविधिक संस्थानों की सूची

डिग्री स्तर की संस्थाएं

- 1—रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की ।
- 2—इंजीनियरिंग कालेज, दयालबाग, आगरा ।
- 3—मोती लाल नेहरू रीजिनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद ।
- 4—मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर ।
- 5—पंत कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी, पंतनगर ।
- 6—एच० बी० टी० आई०, कानपुर ।
- 7—राजकीय सेन्ट्रल टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट, कानपुर ।

डिप्लोमा स्तर संस्थायें

राजकीय बहुधंधी संस्थान

- 1—राजकीय बहुधंधी संस्थान, गोरखपुर ।
- 2—राजकीय बहुधंधी संस्थान, झांसी ।
- 3—राजकीय बहुधंधी संस्थान, बरेली ।
- 4—राजकीय बहुधंधी संस्थान, कानपुर ।
- 5—राजकीय बहुधंधी संस्थान, फैजाबाद ।
- 6—राजकीय बहुधंधी संस्थान, आजमगढ़ ।
- 7—राजकीय बहुधंधी संस्थान, मिर्जापुर ।
- 8—राजकीय बहुधंधी संस्थान, मुरादाबाद ।
- 9—राजकीय बहुधंधी संस्थान, गोण्डा ।
- 10—राजकीय बहुधंधी संस्थान, बस्ती ।
- 11—राजकीय बहुधंधी संस्थान, लखनऊ ।
- 12—राजकीय बहुधंधी संस्थान, श्रीनगर (गढ़वाल) ।
- 13—सेठ गंगा सागर जटिया पालीटेकनिक, खुर्जा ।

सहायता प्राप्त बहुधंधी संस्थान

- 14—हीवेट बहुधंधी संस्था, लखनऊ ।
- 15—लखनऊ बहुधंधी संस्था, लखनऊ ।
- 16—डी०जे० बहुधंधी संस्था, बठौत ।
- 17—डी० एन० बहुधंधी संस्था, मेरठ ।
- 18—गांधी बहुधंधी संस्था, मुजफ्फरनगर ।
- 19—हंडिया बहुधंधी संस्था, हंडिया ।
- 20—इलाहाबाद बहुधंधी संस्था, इलाहाबाद ।
- 21—पी०एम०वी० बहुधंधी संस्था, मथुरा ।
- 22—एम० पी० बहुधंधी संस्था, गोरखपुर ।

- 23—के०एल० बहुधंधी संस्था, रुड़की ।
 24—चन्दौली बहुधंधी संस्था, चन्दौली ।
 25—एम०जी० बहुधंधी संस्था, हाथरस ।
 26—टेक्निकल कालेज, दयालबाग, आगरा ।
 27—टाउन पालीटेकनिक, बलिया ।
 28—नैनीताल बहुधंधी संस्थान, नैनीताल ।

विशिष्ट प्रकार की प्राविधिक संस्थायें

- 29—राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर ।
 30—एन० आर० इंस्टीट्यूट आफ प्रिंटिंग टेकनोलोजी, इलाहाबाद ।
 31—राजकीय चर्म संस्थान, आगरा ।
 32—राजकीय बालिका बहुधंधी संस्थान, लखनऊ ।
 33—राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर ।
 34—स्कूल आफ पेपर टेकनोलोजी, सहारनपुर (सहायता प्राप्त) ।

राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय

- 1—राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गोरखपुर ।
 2—राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, बरेली ।
 3—राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, फैजाबाद ।
 4—राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, लखनऊ ।
 5—राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, मिर्जापुर ।
 6—राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, आजमगढ़ ।
 7—राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, इलाहाबाद ।
 8—राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गाजीपुर ।
 9—राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, झांसी ।
 10—राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गोंडा ।
 11—राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, मुरादाबाद ।
 12—राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, दौराला (मेरठ) ।

परिशिष्ट 2

डिग्री स्तर की संस्थाओं के नाम			1974-75 की प्रवेश क्षमता
1—रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की ।	305
2—इंजीनियरिंग कालेज, बयालबाग, आगरा	60
3—पंत कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, पंतनगर	150
4—मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद	200
5—एच० बी० टी० आई० कानपुर	195
6—राजकीय केन्द्रीय वस्त्रोद्योग संस्था, कानपुर	40
7—मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर	140
		योग	1090

परिशिष्ट 3

वर्ष 1974-75 में डिप्लोमा स्तर पर पाठ्य क्रमावार संस्थाओं में प्रवेश किये जाने का लक्ष्य

संस्था का नाम	प्रवेश क्षमता 1974-75
1—राजकीय बहुधंधी संस्था, लखनऊ—	
नागरिक अभियंत्रण	90
विद्युत् अभियंत्रण	105
यांत्रिक अभियंत्रण	105
आटोमोबाइल अभियंत्रण	30
योग ..	330
2—राजकीय बहुधंधी संस्था, गोरखपुर—	
नागरिक अभियंत्रण	90
विद्युत् अभियंत्रण	105
यांत्रिक अभियंत्रण	105
केमिकल आपरेटर	10
आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	30
पोस्ट डिग्री रेफ्रीजरेशन एवं एयर कंडीशन	10
योग ..	350
3—राजकीय बहुधंधी संस्था, बरेली—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत् अभियंत्रण	90
यांत्रिक अभियंत्रण	90
आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	30
योग ..	270
4—राजकीय बहुधंधी संस्था, झांसी—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत् अभियंत्रण	90
यांत्रिक अभियंत्रण	90
आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	30
इलेक्ट्रानिक्स	30
योग ..	300

संस्था का नाम	प्रवेश क्षमता 1974-75
5--राजकीय बहुधंधी संस्था, कानपुर--	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत् अभियंत्रण	120
यांत्रिक अभियंत्रण	120
केमिकल आपरेटर	10
इलेक्ट्रानिक्स	30
पोस्ट डिप्लोमा इंस्ट्रूमेंट टेकनोलोजी	10
योग ..	350
6--राजकीय बहुधंधी संस्था, फंजाबाद--	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	75
यांत्रिक अभियंत्रण	75
योग ..	180
7--राजकीय बहुधंधी संस्था, मिर्जापुर --	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	75
यांत्रिक अभियंत्रण	75
पो०डि० इंजिस्ट्रियल इंजी०	10
योग ..	190
8--सेठ गंगा सागर जटिया पालीटेकनिक, खुर्जा --	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत् अभियंत्रण	60
यांत्रिक अभियंत्रण	60
सिरेमिक्स टेकनोलोजी	30
योग ..	210

संस्था का नाम					प्रवेश क्षमता 1974-75
9—राजकीय पालीटेकनिक, आजमगढ़—					
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	75
यांत्रिक अभियंत्रण	75
				योग ..	180
10—राजकीय बहुधंधी संस्था, गोंडा—					
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
				योग ..	120
11—राजकीय बहुधंधी संस्था, बस्सी—					
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
				योग	120
12—राजकीय बहुधंधी संस्था, मुरावाबाद—					
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत् अभियंत्रण	90
यांत्रिक अभियंत्रण	90
पो० डि० फाउन्डी टेक०	10
				योग	250
13—राजकीय बहुधंधी संस्था, धीनगर (गढ़वाल)—					
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
आटोमोबाइल इंजी०	30
				योग	150

संस्था का नाम

प्रवेश क्षमता
1974-75

14--एम० डी० पालीटेकनिक, हाथरस--

नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत् अभियंत्रण	60
यांत्रिक अभियंत्रण	60
पो० डि० इन रेफीजरेशन एण्ड एयर कंडीशनिंग	10
पो० डि० इन इलेक्ट्रानिक्स	10
				योग	200

15--पी० एम० वी० पालीटेकनिक, मयुरा--

नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत् अभियंत्रण	60
यांत्रिक अभियंत्रण	60
आटोमोबाइल अभियंत्रण	30
				योग	210

16--हृण्डिया पालीटेकनिक, हृण्डिया--

नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
				योग	120

17--चंबौली पालीटेकनिक, चंबौली--

नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
एप्रीकल्चरल अभियंत्रण	30
				योग	150

संस्था का नाम	प्रवेश क्षमता 1974-75
18—नैनीताल पालीटेकनिक, नैनीताल—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत् अभियंत्रण	60
यांत्रिक अभियंत्रण	60
कामशियल प्रैक्टिस	30
पो० डि० डाई अल्टीट्यूड अभियंत्रण	10
इलेक्ट्रानिक्स	30
योग	250
19—के० एल० पालीटेकनिक, रुड़की—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत् अभियंत्रण	90
यांत्रिक अभियंत्रण	90
इलेक्ट्रानिक्स	30
योग	270
20—गांधी पालीटेकनिक, मुजफ्फरनगर—	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
आटोमोबाइल अभियंत्रण	30
योग ..	150
21—डी० जे० पालीटेकनिक, बड़ौत—	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
योग ..	120
22—डी० एन० पालीटेकनिक, मेरठ—	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	75
यांत्रिक अभियंत्रण	75
पो० डि० रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशन	10
योग ..	190

संस्था का नाम	प्रवेश क्षमता 1974-75
23—इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत् अभियंत्रण	90
यांत्रिक अभियंत्रण	120
इलेक्ट्रानिक्स	30
पोस्ट डिप्लोमा इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स	10
पोस्ट डिप्लोमा रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग	10
पोस्ट डिप्लोमा डिजाइन एवं ड्राफ्टिंग	10
डिप्लोमा पाठ्यक्रम आटोमोबाइल	30
डिप्लोमा पाठ्यक्रम कार्मशियल प्रैक्टिस	30
डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रोडक्शन इंजी०	30
डिप्लोमा पाठ्यक्रम कन्स्ट्रक्शन टेक०	30
डिप्लोमा पाठ्यक्रम इंस्ट्रुमेन्ट एवं कन्ट्रोल	30
डिप्लोमा पाठ्यक्रम पब्लिक हेल्थ इंजी०	30
योग ..	510
24—एम० पी० पालीटेकनिक, गोरखपुर—	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
योग ..	120
25—टाउन पालीटेकनिक, बलिया—	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
आटोमोबाइल अभियंत्रण	30
योग ..	150

संस्था का नाम	प्रवेश क्षमता 1974-75
26 लखनऊ पालीटेक्निक, लखनऊ—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत् अभियंत्रण	90
यांत्रिक अभियंत्रण	90
इलेक्ट्रानिक्स	30
योग ..	270
27 हीवेट पालीटेक्निक, लखनऊ—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत् अभियंत्रण	120
यांत्रिक अभियंत्रण	120
योग ..	300
28 टेक्निकल कालेज दयालबाग, आगरा—	
विद्युत् अभियंत्रण	55
यांत्रिक अभियंत्रण	55
फोटोमोबाइल इंजी०	40
स्टेनोग्राफी
एप्रीकल्लरल टेक्नोलोजी
योग ..	150
अन्य डिप्लोमा पाठ्य क्रम—	
29 राजकीय केन्द्रीय वस्त्रोद्योग संस्थान, कानपुर (टेक्सटाइल टेक्नोलोजी)	30
30 राजकीय चर्म संस्था, कानपुर लेवर टेक० पैटर्न मॉकिंग तथा कार्मिक	.. 30
31 राजकीय चर्म संस्था, आगरा (लेवर टेक्नालाजी)	.. 30
32 एन० आर० प्रिंटिंग टेक्नोलोजी, इलाहाबाद प्रिंटिंग टेक्नालोजी ।	.. 60
33 स्कूल आफ पेपर टेक्नोलोजी, सहारनपुर ।	..
पल्य टेक्न लोजी (डिप्लोमा) }
पल्य टेक्नालोजी (सर्टी०) }
इंस्ट्रुमेंटेशन 100
34 राजकीय बालिका बहुधंधी संस्था, लखनऊ—	
इलेक्ट्रानिक्स	30
फस्टयम डिजाइन एवं क्लेसमॉकिंग	30
स्टेनोग्राफी	30
इंडीरियर डेकोरेशन	30
योग ..	120
महा योग ..	6,530